CNews सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-74
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

निर्भय वही है जो सत्य की शरण में है... जो असत्य का सहारा लेता है वह हमेशा 'भय' में रहता है,,,!!

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर, बुधवार, 19 जून 2024

सिंगल कॉलम

21 जून को दिखेगा स्ट्रॉबेरी मून, सोने के रंग में होगा हलका लाल रंग

नई दिल्ली। 20 से 22 जून तक ऐसा चंद्रमा निकलने वालाा है, जिसे स्ट्रॉबेरी मून कहते हैं, लेकिन इसका बेहतरीन नजारा 21 जून को देखने को मिलेगा। यह समर सोल्सटिस से एक दिन बाद निकलेगा। यह इस बार सैगिटेरियस नक्षत्र में चमकता नजर आएगा। इस चंद्रमा के और भी कई नाम हैं। स्ट्रॉबेरी मून को हॉट मून, हनी मून और रोज मून भी कहा जाता है। उत्तरी अमेरिका के एल्गोनक्विन आदिवासियों ने इसका नाम स्ट्रॉबेरी मून रखा था। क्योंकि इसी समय उत्तरी अमेरिका में स्ट्रॉबेरी फल काटने का वक्त होता है। अमेरिकन म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री की एस्ट्रोफिजिसिस्ट जैकी फैहर्टी ने बताया कि नाम के आधार पर लोग चांद का रंग समझने की कोशिश करते हैं, लेकिन ये स्ट्रॉबेरी के रंग का या लाल या गुलाबी एकदम नहीं दिखेगा। यह अपनी पीली रोशनी के साथ दिखाई देगा। जैकी कहते हैं कि यह स्वर्णिम यानी सोने के रंग जैसा पीला दिखेगा। इस पर हलके लाल रंग का असर होगा। यह निर्भर करता है कि उस समय आपके ऊपर के वायुमंडल में किस तरह के रसायनों का प्रभाव ज्यादा है। असल में ग्रे रंग का चांद सूरज की रोशनी और वायुमंडल में मौजूद गैसों और रसायनों की वजह से अलग रंगों में दिखता है। जैकी ने कहा कि जब फुलमून उगता है तब उसे देखना एक अलौकिक होता है।

ग्वालियर में आंधी और बारिश के दौरान बिजली गिरने से चार लोगों की मौत

ग्वालियर। ग्वालियर जिले में आकाशीय बिजली गिरने से एक बड़ी घटना सामने आई है। भितरवार क्षेत्र के करहिया गांव में तेज आंधी और बारिश के दौरान आसमानी बिजली गिरी और पेड़ के नीचे खड़े चार लोगों की मौत हो गई। बता दें कि इसमें एक गंभीर रूप से घायल भी हुआ है, जिसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि गांव में राजस्व अधिकारी पहुंचे हुए थे और किसानों के खेत पर सीमांकन का काम चल रहा था। राजस्व निरीक्षक और पटवारी भी मौके पर मौजूद थे। लेकिन बारिश और बिजली चमकने से पहले वे एक घर में बैठ गए और पांच किसान पेड़ के नीचे खड़े रहे। इस दौरान बिजली गिरने से यह बड़ा हादसा हो गया। मृतकों के शवों को ग्वालियर भेजा गया है और गंभीर रूप से घायल व्यक्ति का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। बिजली गिरने से पप्पू परमार उम्र 50 साल, कुकू तिवारी उम्र 65 साल, हरी सिंह कुशवाह उम्र 30 साल, बल्ली कुशवाह उम्र 40 साल की मौत हो गई। उदयभान सिंह कुशवाह उम्र 22 साल घायल हो गया। उसकी हालत गंभीर है।

असम के गृह सचिव ने खुद को मारी गोली, पत्नी के निधन से थे दुखी

गुवाहाटी। असम के गृह सचिव शिलादित्य चेतिया ने मंगलवार को अपनी पत्नी के निधन के बाद गुवाहाटी के एक निजी अस्पताल में आत्महत्या कर ली। अधिकारियों ने बताया कि 2009 बैच के आईपीएस अधिकारी चेतिया पिछले चार महीने से छुट्टी पर थे। उनकी पत्नी की तबीयत खराब थी। पुलिस सुत्रों के मुताबिक, चेतिया की पत्नी कैंसर से जूझ रही थीं और एक निजी अस्पताल में उनका निधन हो गया। उनकी मौत के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने अस्पताल में अपनी सर्विस पिस्तौल से खुद को गोली मार ली। चेतिया की पत्नी कैंसर के चौथे चरण में थीं और पिछले कई दिनों से शहर के एक निजी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से पत्नी की तबीयत खराब होने के चलते शिलादित्य चेतिया मानसिक रूप से काफी तनाव में थे और मंगलवार को यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई। अधिकारी ने बताया कि वे अस्पताल में रह रहे थे और अपनी पत्नी की देखभाल कर रहे थे।

सुप्रीम कोर्ट में 29 जुलाई से 3 अगस्त तक लगेगी विशेष लोक अदालत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट अपनी स्थापना के 75वें में 29 जुलाई, 2024 से 3 अगस्त, 2024 तक विशेष लोक अदालत का आयोजन करने जा रहा है। ताकि लंबित मामलों का सौहादर्पूर्ण समाधान निकाला जा सके। बता दें कि देश में 26 जनवरी 1950 से संविधान लागू हुआ था और उसी दिन से सुप्रीम कोर्ट अस्तित्व में आया था। लोक अदालत के बारे में जानकारी देते हुए उच्चतम न्यायालय ने एक प्रेस नोट भी जारी किया है, जिसमें बताया गया है कि लोक अदालतें इस देश में न्यायिक प्रणाली का एक अभिन्न अंग हैं जो सौहादर्पूर्ण तरीके से समाधान की प्रक्रिया को तेज करने का वैकल्पिक समाधान है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आगामी लोक अदालत का आयोजन समाज के सभी वर्गों के लिए सुलभ और कुशल न्याय वितरण की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। इस लोक अदालत में वैवाहिक और संपत्ति विवादों, मोटर दुर्घटना दावों, भूमि अधिग्रहण, मुआवजा, सेवा और श्रम से संबंधित मामलों सहित निपटान के लायक मामलों पर विचार किया जाएगा जो उच्चतम न्यायालय के समक्ष लंबित हैं।

नीट परीक्षा में गड़बड़ियों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, एनटीए और केंद्र को नोटिस, कहा- अगर परीक्षा में 0.001 फीसदी भी लापरवाही हुई है तो उससे निपटा जाना चाहिए

सुप्रीम बोल... धोखाधड़ी से डॉक्टर बना व्यक्ति खतरनाक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को नीट परीक्षा में गड़बड़ियों को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान कोर्ट ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) से कई तीखे सवाल किए। अदालत ने कहा कि अगर नीट परीक्षा में 0.001 फीसदी भी लापरवाही हुई है तो उससे निपटा जाना चाहिए। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए और केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया और इस मामले में जवाब दाखिल करने को कहा है। मेडिकल की इस परीक्षा के लिए छात्र-छात्रओं की मेहनत पर बात करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि इस याचिका को विरोधात्मक भाव से नहीं देखा जाना चाहिए। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच ने कहा कि हम इन परीक्षाओं की तैयारियों में बच्चों की मेहनत से अवगत हैं। कोर्ट ने कहा कि मान लीजिए कि इस सिस्टम से धोखाधड़ी कर कोई व्यक्ति डॉक्टर बन जाए। ऐसा शख्स समाज के लिए नुकसानदेह है। बेंच ने कहा कि परीक्षा आयोजित कराने वाली एजेंसी का प्रतिनिधित्व करते हुए आपको मजबूती से खड़ा होना होगा। अगर कोई गलती हुई है तो उसे माना जाना चाहिए और बताना चाहिए कि क्या कारर्वाई की जा रही है। इससे आपके प्रदर्शन पर आत्मविश्वास पैदा होता है।

एनटीए और केंद्र दो सप्ताह में जवाब दाखिल करे

अधिकारियों की तरफ से समय पर कदम उठाने पर जोर देते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि इन याचिकाओं पर अन्य लंबित याचिकाओं के साथ आठ जुलाई को सुनवाई होगी। इनमें वे याचिकाएं भी शामिल हैं जिनमें परीक्षा को नए सिरे से आयोजित करने का निर्देश देने की मांग की गई है। कोर्ट ने कहा कि एनटीए और केंद्र इन नई याचिकाओं पर भी दो सप्ताह के अंदर अपने जवाब दाखिल करें। इस बीच जब कुछ याचिकाकर्ताओं की ओर से पक्ष रख रहे एक अधिवक्ता ने परीक्षा में पूछे गए एक प्रश्न से संबंधित मुद्दा उठाया तो बेंच ने कहा कि एनटीए और केंद्र इस पर जवाब देंगे। कोर्ट ने कहा, पहले हम आपकी दलीलों का मकसद समझ लें।

इन याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है सुप्रीम कोर्ट

सर्वोच्च न्यायालय कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें पेपर लीक, ग्रेस मार्क्स देने और उच्च स्कोर करने वालों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि सहित कई आरोप लगाए गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने इस दिन लिया था संज्ञान

नीट रिजल्ट 2024 में गड़बड़ी पर हो रहे हंगामे और विरोध प्रदर्शनों के बीच देश की सर्वोच्च अदालत ने 14 जून को प्रश्नपत्र लीक के आरोपों की सीबीआई जांच के अनुरोध वाली याचिका पर केंद्र और एनटीए को नोटिस जारी किया था। यह नोटिस तब आया जब केंद्र ने सर्वोच्च न्यायालय को 1,563 नीट-यूजी 2024 उम्मीदवारों के स्कोर कार्ड रद्द करने के अपने निर्णय के बारे में सूचित किया था जिन्हें ग्रेस मार्क्स दिए गए थे।

काशी की गंगा आरती में भाव विभोर दिखे पीएम मोदी

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरे कार्यकाल के शपथ ग्रहण के बाद दो दिवसीय दौरे पर मंगलवार को पहली बार काशी पहुंचे और दशाश्वमेध घाट पर उत्तरवाहिनी मां गंगा की विधिवत वैदिक रीति से पूजन अर्चन के साथ यहां पर होने वाली विश्व प्रसिद्ध मां गंगा की आरती में पांचवीं बार शामिल हुए। इस दौरान पीएम मोदी भाव विभोर दिखाई दिए। गंगा आरती के बाद प्रधानमंत्री का सम्मान किया गया। उन्हें रुद्राक्ष की माला, प्रसाद के रूप में लाल पेड़ा दिया गया। प्रतीक चिह्न में मां गंगा, आरती का प्रतीक फोटो और पीएम का चित्र शामिल रहा। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के घाट पर पहुंचते ही जनता ने हर हर महादेव के उद्घोष के साथ उनका अभिवादन किया। गंगा में बनीं ख़ास फ्लोटिंग जेटी पर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मां गंगा की पूरे विधि विधान से पूजन व आरती की। प्रधानमंत्री, राज्यपाल आनन्दी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घाट की मणि पर बैठकर आरती के पहले भजन भी सुने। इस दौरान प्रधानमंत्री ताली बजाते, भजन गुनगुनाते आस्था की गंगा में गोते लगाते मंत्रमुग्ध दिखे। देर तक हुए शंखनाद के बाद मोदी ताली बजाते हुए दिखे। अंत में सभी ने जयकार भी लगाया। भव्य महाआरती में सात की जगह नौ अर्चकों ने मां गंगा की आरती की व 18 देव कन्याओं ने इस महाआरती को भव्य रूप दिया। प्रधानमंत्री के आगमन एवं मां भागीरथी के इस महा आरती के अवसर पर दशाश्वमेध घाट को सूरजमुखी, रजनीगंधा, बेला और गेंदा की फूल मालाओं से भव्य रूप से सजाये जाने के साथ ही दीपो से घाट को जगमग किया गया रहा। गंगा पूजन के दौरान प्रधानमंत्री के साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे।

सेल्फी लेने के चक्कर में 250 फीट नीचे नर्मदा में गिरा इंजीनियरिंग छात्र, 48 घंटे से तलाश जारी

मध्य प्रदेश के खंडवा जिले की धार्मिक तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर में घूमने आया एक इंजीनियरिंग छात्र सेल्फी लेने के दौरान चट्टान से फिसलकर नर्मदा नदी में गिर गया। बताया जा रहा है कि इंदौर के निजी कॉलेज से इंजीनियरिंग कर रहे छात्रों का एक दल ओंकारेश्वर दर्शन करने आया था। देर रात नर्मदा नदी के घाट पर घूमने निकले इन युवाओं में से एक चट्टान के मुहाने पर खड़े होकर सेल्फी ले रहा था। इस दौरान उसका पैर फिसला और वह अपने साथियों के सामने करीब 250 फीट नीचे नर्मदा नदी में जा गिरा। जिसके बाद उसे ढूंढने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन 48 घंटे से अधिक समय बीतने के बाद भी उसे खोजा नहीं जा सका है। गोताखोर युवक की तलाश कर रहे हैं। थाना मांधाता पुलिस के अनुसार इंदौर के एसजीएसआईटीएस कॉलेज के द्वितीय वर्ष में पढ़ने वाला छात्र पार्थ पिता हरि मोहन अग्रवाल (19) दोस्तों के साथ घूमने ओम्कारेश्वर आया था। रात करीब 11 बजे वह चक्रतीर्थ घाट की चट्टान पर खड़े होकर सेल्फी ले रहा था, इस दौरान चिकने पत्थरों के चलते उसका पैर फिसला और वह नीचे नर्मदा नदी के गहरे पानी में गिर गया। उनके साथी लड़के-लड़कियों ने शोर मचाया, जिसे सुनकर घाट के पास एक दुकान संचालक मौके पर पहुंचा। छात्र के साथियों ने पार्थ के डूबने की सूचना उसे दी। जिसके बाद पुलिस तक खबर पहुंची ।

रात में अंधेरा होने के चलते उसे ढूंढने के लिए रेस्क्यू कार्य शुरू नहीं किया जा सका। अगले दिन सुबह साढ़े 7 बजे से होमगार्ड की टीम व गोताखोरों ने छात्र की पानी में तलाश शुरू की । जिसके बाद से अब तक करीब 48 घण्टे से अधिक समय बीत जाने के बावजूद गोताखोर उसे तलाश नही सके हैं। छात्र जहां गिरा था उसके करीब 1 किलोमीटर के दायरे में उसे तलाशा जा रहा है, गोताखोर लगभग 35 फीट तक पानी में उतर कर उसे तलाश चुके हैं। हालांकि, वहां पानी 250 फीट तक गहरा है, जिसके चलते गोताखोरों को भी सांस लेंने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

चीतों के खाने पर किचकिच: धार्मिक मान्यताएं आ रहीं आड़े, किसी जानवर को नहीं मारेंगे

कूनो पार्क में चीतों के भोजन की व्यवस्था करने वाले कर्मचारी हड़ताल पर

श्योपुर। मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित चीतों के घर यानी कूनो नेशनल पार्क में इन दिनों स्थिति थोड़ी तनावपूर्ण चल ही है। दरअसल चीतों की निगरानी और उन्हें ट्रैक करने के लिए नौकरी पर रखे गए करीब 30 ग्रामीणों ने हड़ताल करते हुए काम बंद कर दिया है। उनका कहना है कि वे चीतों को देने के लिए खुद किसी जानवर को नहीं मारेंगे, साथ ही उन्होंने अपने लिए बीमा सुरक्षा की मांग भी की है। इस मामले को लेकर वे सीएम ऑफिस से भी संपर्क कर चुके हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार पार्क के आसपास के इलाके की बेहतर समझ होने की वजह से इन ग्रामीणों को जो कि ज्यादातर ग्रामीण यादव और गुंजर समुदाय से हैं, को नौकरी पर रखा गया था, और अब इन्होंने अपनी धार्मिक मान्यताओं का हवाला देते हुए चीतों को देने के लिए बकरों और भैंसों को मारने से मना कर दिया है।

यह कहा पार्क के अधिकारी ने

इस बारे में जानकारी देते हुए एक अधिकारी ने बताया कि ट्रैकर्स ने काम करना बंद कर दिया है। पार्क या वन्यजीव मुख्यालय के सामने इस मुद्दे को उठाने की बजाय वे मांग को लेकर सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय चले गए। हड़ताल से चीतों पर पड़ने वाले असर को लेकर उन्होंने कहा कि वर्तमान में, अधिकांश चीते सुरक्षित बाड़ों में हैं और हमारे मौजूदा कर्मचारी उनका प्रबंधन कर सकते हैं। ग्रामीणों की अनुपस्थिति चीता ट्रैकिंग और निगरानी को ज्यादा प्रभावित नहीं करेगी।

प्रशिक्षण भी नहीं लेंगे कर्मचारी

इन कर्मचारियों ने बकरों और भैंसों को मारने के लिए पार्क अधिकारियों द्वारा दिए जाने वाले प्रशिक्षण को भी लेने से इनकार कर दिया है। कर्मचारियों की इस अप्रत्याशित हड़ताल ने चीतों की निगरानी करने के लिए बनी इस योजना को अटका दिया है। इसके चलते पार्क के अधिकारी फिलहाल इस समस्या का वैकल्पिक समाधान खोजने के लिए प्रयास कर रहे हैं, वे टेंडर के माध्यम से लाइसेंस प्राप्त विक्रेताओं से पहले से कटे हुए मांस की खरीद को आउटसोर्स करने पर विचार कर रहे हैं।

अलग-अलग शिफ्ट में काम करते हैं कर्मचारी

ट्रैकर्स को करीब 9000 रुपए महीना तनख्वाह मिलती है, और वे अलग-अलग शिफ्ट में काम करते हैं। ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं। उनके प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कार्यालय से संपर्क किया और मुख्यत- दो मांगों को लेकर हस्तक्षेप करने को कहा। वे बीमा कवरेज और जानवरों को मारने की जिम्मेदारी से मुक्ति चाहते हैं।

पीएम मोदी ने किया नालंदा यूनिवर्सिटी के नए कैंपस का उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को बिहार पहुंचे। यहां उन्होंने प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय के खंडहर का दौरा किया। इन खंडहरों को 2016 में संयुक्त राष्ट्र विरासत स्थल घोषित किया गया था। बता दें कि विश्वविद्यालय के नए कैंपस का निर्माण कार्य हाल ही में पूरा किया गया है। इसे यूनिवर्सिटी के प्राचीन खंडहर के पास में ही बनाया गया है। पीएम मोदी ने इसके बाद यूनिवर्सिटी के नए खंडहर पहुंचकर पौधा भी लगाया।पीएम मोदी ने किया यूनिवर्सिटी के नए परिसर का उद्घाटन प्रधानमंत्री मोदी ने इसके बाद नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर का उद्घाटन किया। इस दौरान बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, विदेश मंत्री एस जयशंकर समेत कई प्रमुख हस्तियां मौजूद रहे।प्रधानमंत्री के तीसरे कार्यकाल की शपथ लेने के बाद यह बिहार में पीएम मोदी की यह पहली आधिकारिक यात्रा है।

सिंगल कॉलम

ऑल इंडिया शूटिंग चैंपियनशिप में इंदौर के शूटर सहित 11 शूटर्स क्वालीफाई

इंदौर। नेशनल रायफल एसोसिएशन द्वारा एमपी शूटिंग अकादमी में गत 1 जून से चल रही आल इंडिया शूटिंग चैम्पियनशिप में देश के सभी राज्यों और सेना तथा रक्षा बलों, रेलवे सहित उन सभी निशानेबाजों ने भाग लिया, जो इंडिया टीम के लिए क्वालीफाई करने की इच्छा रखते हैं। इस स्पर्धा में एक बार फिर इंदौर के 11 शूटर्स ने वीर रायफल शूटिंग सोसायटी के माध्यम से शामिल होकर आल इंडिया के लिए क्वालीफाई किया है। यह स्पर्धा 19 जून तक चलेगी। कोच सतीश शर्मा ने बताया कि 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल में इंदौर के वीरहंस शर्मा ने टीम के लिए क्वालीफाई किया। रायफल क्लब से 10 मीटर एयर पिस्टल वूमन कैटेगिरी में बुलबुल परमार, शोकी मामोरिया ने भारतीय टीम ट्रायल के लिए क्वालीफाई किया है। इसी तरह 50 मीटर प्रोन रायफल में सत्यम चौहान, सैयद महफूज, मान्या विश्वकर्मा आदि ने तथा महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में अंशुल तिवारी ने नेशनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। 10 मीटर एयर रायफल मेन कैटेगिरी में प्रद्युम्न कुमार, अथर्व मालवीय और सौरभ देवगड़े ने क्वालीफाई किया है। यह पहला मौका है, जब दो माह की अवधि में महू के बाद भोपाल में आयोजित आल इंडिया शूटिंग चैम्पियनशिप में इंदौर के वीर रायफल शूटिंग सोसायटी के 11 शूटर्स ने क्वालीफाई किया है। इसके पूर्व महू में इसी सोसायटी के 8 शूटर्स ने विभिन्न पदक हासिल किए थे। कोच सतीश शर्मा ने सभी शूटर्स का सम्मान करते हुए उन्हें आगे के लिए आयोजित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्पधाओं में हरसंभव सहयोग करने का संकल्प व्यक्त किया है।

राज्य वन सेवा परीक्षा 2021 के नतीजे घोषित, पिछले माह हुए थे इंटरव्यू

इंदौर। राज्य वन सेवा परीक्षा 2021 के तहत वन क्षेत्रपाल और परियोजना क्षेत्रपाल व सहायक वन संरक्षक के इंटरव्यू के नतीजे जारी हो गए हैं। चयनित उम्मीदवार आयोग की वेबसाइट पर जाकर नतीजे देख सकते हैं। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग ने मंगलवार रात राज्य वन सेवा परीक्षा 2021 के तहत वन क्षेत्रपाल और परियोजना क्षेत्रपाल पद के लिए इंटरव्यू के बाद चयन उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी। वन क्षेत्रपाल और परियोजना क्षेत्रपाल के लिए 27 से 30 मई के बीच इंटरव्यू हुए थे। 40 पदों के लिए मुख्य परीक्षा पिछले साल अगस्त 2023 में आयोजित की गई थी। इसी तरह आयोग ने सहायक वन संरक्षक के चयनित उम्मीदवारों की लिस्ट भी जारी कर दी। कुल आठ पद के लिए इंटरव्यू पिछले महीने आयोजित हुए थे।

इंदौर समेत देश के 50 एयरपोर्ट उड़ाने की धमकी अंग्रेजी में भेजा ई-मेल

इंदौर। मध्यप्रदेश के इंदौर, भोपाल, जबलपुर समेत देश के 50 एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। अज्ञात शख्स ने मंगलवार को भोपाल के राजा भोज एयरपोर्ट अथॉरिटी को धमकी भरा ये ई-मेल भेजा। भोपाल एयरपोर्ट के डायरेक्टर रामजी अवस्थी ने पुलिस को इसकी सूचना दी। शिकायत के आधार पर सीआईएसएफ ने एयरपोर्ट पर सर्चिंग की। वहां मौजूद लोगों की भी चेकिंग की गई। जांच के दौरान कोई सस्पेक्टेड चीज नहीं मिली। हालांकि, एयरपोर्ट पर बम थ्रेट असेस्टमेंट कमेटी ने मैनुअल चेकिंग बढ़ा दी है। भोपाल की गांधीनगर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धारा 507 और वायुयान अधिनियम के तहत केस दर्ज कर लिया है। टीआई सुनील मेहर के मुताबिक, एयरपोर्ट अथॉरिटी को अंग्रेजी में लिखा मेल आया। इसे भोपाल के अलावा अन्य एयरपोर्ट्स को भी टैग किया है।

नाबालिग बेटी द्वार पिता को लिवर देने के मामले में अब सुनवाई कल

इंदौर। 42 साल के पिता को नाबालिग बेटी अपना लिवर दे सकती है? इस सवाल पर इंदौर हाई कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने सभी पक्षों का सुनने के बाद अगली सुनवाई के लिए दो दिन बाद 20 जून की तारीख तय की है। एडवोकेट नीलेश मनोरे ने बताया की हाई कोर्ट ने विशेष जुपिटर हॉस्पिटल से जवाब मांगा है। 6 साल से लिवर की बीमारी से घिरे पिता शिवनारायण बाथम को डोनर नहीं मिल रहा है और उनकी हालत लगातार बिगड़ती जा रही है। डॉक्टर कह चुके हैं कि 10 से 15 दिन में लिवर ट्रांसप्लांट नहीं किया तो जान को खतरा है। यह सुनकर 17 साल 10 महीने की उनकी नाबालिग बेटी प्रीति सामने आई। उसने कहा कि मैं अपने पिता को लिवर देना चाहती हूं। लेकिन उम्र 2 महीने कम पड़ गई है। डॉक्टरों ने लिवर ट्रांसप्लांट से मना कर दिया। इस पर परिवार 13 जून को हाई कोर्ट पहुंच गया। दलील दी कि उम्र सिर्फ 2 महीने कम है तो दूसरी तरफ पिता के लिए अगले 15 दिन बहुत क्रिटिकल हैं। अदालत ने चीफ मेडिकल ऑफिसर से बाथम की मेडिकल रिपोर्ट मांगी थी।

आईडीए का बजट आज, इंदौर को फिर मिल सकते हैं तीन नए ब्रिज

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर विकास प्राधिकरण इस साल फिर तीन नए ब्रिज शहर में बनाएगा। इसका प्रावधान नए बजट में किया गया है, जो बुधवार को पेश किया जाएगा। आचार संहिता के कारण बजट मार्च में पेश नहीं हो सका था। ब्रिजों के अलावा मास्टर प्लान की सड़कें भी प्राधिकरण बनाएगा। ज्यादा फोकस एमआर-12 मार्ग पर रहेगा। एक नया ब्रिज भी इस मार्ग के रेलवे क्रासिंग पर बनेगा।

पिछले साल राजनीतिक बोर्ड था और छह हजार करोड़ का बजट प्राधिकरण ने जारी किया था। इसमें से अधिकांश प्रोजेक्ट कागजों में ही सिमटे रहे। इस बार 1100 करोड़ रुपए का बजट प्राधिकरण पेश करेगा। महूनाका, कुमेर्डी और गांधी नगर में नए ब्रिज बनाए जाएंगे। वर्तमान में प्राधिकरण भंवरकुआ, खजराना, फूठी कोठी, और लवकुश चौराहे पर ब्रिज बना रहा है। लव कुश चौराहे को छोड़कर बाकी ब्रिजों पर नए साल में ट्रैफिक शुरू हो जाएगा। प्राधिकरण इस साल बड़े

प्लॉट बेचकर अपना खजाना भरेगा। सुपर कॉरिडोर के अलावा आईडीए की पुरानी स्कीम 114, 78 में भी कुछ बड़े प्लॉट है, हालांकि शहरवासियों को 600 और 1 हजार वर्गफीट के प्लॉटों के टेंडरों का भी इंतजार है। पांच साल से प्राधिकरण ने छोटे प्लॉटों की एक साथ बिक्री नहीं की। प्राधिकरण ग्रीन बेल्ट को विकसित करने के लिए शहरी हिस्से में सिटी फारेस्ट भी विकसित करेगा। शहर के सघन क्षेत्र में केबल कार के संचालन के लिए इस बार भी बजट जारी होगा, हालांकि पिछले साल भी बजट में इसका प्रावधान था, लेकिन कोई काम नहीं हो पाया।

पिछले बजट के काम रहे कागजों में कैद

प्राधिकरण के पिछले बजट में सुपर कॉरिडोर पर स्टार्टअप पार्क, दस हजार की क्षमता का नया कन्वेंशन सेंटर, महिला उद्यमिता केंद्र, व्हाईट चर्च रोड पर एलिवेटेड रोड जैसे प्रोजेक्टों के लिए भी बजट में प्रावधान किया गया था। जिसमें कुछ काम नहीं हुआ। इस बार के बजट में यह प्रोजेक्ट नजर नहीं आएंगे। पिछले बजट में पांच ब्रिजों को मंजूरी दी गई थी। वह काम जारी है। इसके अलावा स्कीम-134 में वरिष्ठजनों के लिए अपार्टमेंट भी बनकर तैयार हो रहा है। स्कीम 140 में भी नया स्वीमिंग पूल बनकर तैयार हो चुका है। इसके अलावा राजेंद्र नगर में 25 करोड़ की लागत से नया सभागृह भी बनकर तैयार हो चुका है।

इंदौर-खंडवा फोरलेन की सुरंगों के विस्फोट से मकानों में आई दरारें

ग्रामीणों ने मांगा एनएचएआई से मुआवजा

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। रोज गुजरने वाले हजारों वाहनों की राह आसान करने के लिए बनाए जा रहे इंदौर-खंडवा रोड फोरलेन का निर्माण कुछ ग्रामीण क्षेत्रों के लिए परेशानी की वजह बन रहा है। भैरवघाट पर सड़क के लिए तीन सुरंगें बनाने के लिए विस्फोट किए जा रहे है। इससे कई मकानों में दरारें आ गई है। ग्रामीण राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अफसरों से मकानों में हुए नुकसान का मुआवजा मांग रहे है,लेकिन अब तक उनकी सुनवाई नहीं हो पाई है। ग्रामीणों का कहना है कि विस्फोट के समय पत्थर भी उड़कर आते हैं। इससे घायल होने का खतरा भी बना रहता है। रात में लगातार सुरंगों में काम किए जाने के कारण मशीनों की आवाजें होती है। इससे नींद भी खराब होती है। अफसरों का कहना है कि सुरंगों का काम अब पूरा होने वाला है। ग्रामीणों को विस्फोट के कारण आपत्ति है। जिन भवनों में नुकसान हुआ है। उसकी मरम्मत भी कराई जा रही है।

दस से ज्यादा घरों में दरारें

तलाई नाका बस्ती में रहने वाले प्रवीण

कुशवाह ने बताया कि दो साल पहले ही उन्होंने मकान बनाया था,लेकिन विस्फोट के कारण धरती में कंपन होता है। इससे मेरे मकान के दो कमरों में दरारें आ गई है। अब बारिश में पानी घर के भीतर आने का डर भी रहेगा। इस बस्ती में रहने वाले एक परिवार के मकान में दरारों से आर-पार दिखाई देता है। दरारों से धूप की किरणें घर में आने लगी है। इंदौर से खंडवा होते हुए इच्छापुर तक एनएचएआई फोरलेन हाइवे बना रहा है। 25 किलोमीटर के घाट सेक्शन वाले हिस्से में तीन सुरंगें बनाई जा रही है। चट्टानों को नियंत्रित विस्फोट की मदद से तोड़ा जा रहा है। फिलहाल घाट सेक्शन में ही काम बचा हुआ है। जिसे पूरा होने में सालभर का समय लग सकता है।

आटा-दाल और आलू-प्याज के बढ़ते दाम ने महंगी कर दी खाने की थाली

सिटी चीफ इंदौर।

राशन और सब्जियों की बढ़ती कीमतों से आम आदमी के रसोई का बजट गड़बड़ा गया है। आटा-दाल और सब्जियों की महंगाई मध्यमवर्ग को खासा परेशान कर रही है। मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा उपयोग की जाने वाली तुवर दाल 200 रुपये किलो तक बिक रही है और मूंग दाल भी सवा सौ रुपये की सीमा को लांघ चुकी है। गर्मी का मौसम नए गेहूं की आवक का होता है, लेकिन इस मौसम में महंगे हुए आटे ने भी लोगों को परेशान कर दिया है। थाली को मंहगी करने में आलू-प्याज भी आटे-दाल का साथ बखूबी निभा रहे हैं। हालांकि तेल और शक्कर ने कुछ राहत दी है। मंगलवार को इंदौर के खेरची बाजार में सामान्य क्वालिटी का आटा 30 से 31 रुपये किलो और मध्यम क्वालिटी के आलू-प्याज भी 35-40 रुपये किलो बिके। बीते साल इन्हीं दिनों से तुलना की जाए तो सामान्य थाली की महंगाई लोगों को हैरान कर रही है। बीते जून में इंदौर और प्रदेश के आम खेरची बाजार में गेहूं का आटा 27 रुपये प्रति किलो जबकि दालें 80 से 150 रुपये प्रति किलो के दाम पर बिक रही थी। आम चुनाव के मौसम में खाद्य पदार्थों की बढ़ी हुई महंगाई सिस्टम पर भी सवाल खड़ा कर रही है। आलू-प्याज के दाम भी बीते साल जून में मौजूदा दामों के मुकाबले करीब आधे थे। आटा के थोक कारोबारी मुकेश चौहान के अनुसार दो दिन में थोक बाजार में आटा के दाम 50 रुपये प्रति क्विंटल तक बढ़े हैं। मंगलवार को थोक बाजार में ही आटा 2950 से 3000 रुपये पहुंच गया। यानी खेरची में अभी ओर महंगा होने वाला है। तीन हजार रुपये क्विंटल के पार आटा के भाव होना सामान्य नहीं माना जाता। बीते साल दीवाली के आसपास आटा तीन हजार रुपये से ऊपर बिका तो सरकार ने नियंत्रण के कदम उठाए थे। अभी त्योहार की मांग भी नहीं है लेकिन नई फसल के गेहूं की मंडियों में आवक कम है ऐसे में दाम बढ़ रहे हैं। इंदौर व प्रदेश के खेरची बाजार में तुवर दाल 180 से 200 रुपये किलो बिक रही है। चना दाल 86 से 110 रुपये किलो और मूंग दाल 105 से 130 रुपये किलो तक बिक रही है। सबसे सस्ती दालों में शुमार होने वाली मसूर दाल के दाम भी 85 से 100 रुपये किलो तक पहुंच गए हैं। दलहन के आयातक अरुण दोषी के अनुसार बीते वर्ष के तुवर दाल उपभोक्ता के लिए करीब 60 रुपये किलो और चना दाल भी 30 रुपये किलो तक महंगी हुई है।

दो ट्रेनों में मिले थे महिला के शरीर के टुकड़े

पुलिस ने हाथ पर गुदे नाम- मीराबेन से खोज ली उसकी पहचान

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर और ऋषिकेश रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के अंदर जिस महिला की लाश के टुकड़े मिले थे, उसकी पहचान हो गई है। महिला के हाथ पर मीराबेन और गोपाल भाई का नाम लिखा मिला था। पुलिस ने आस-पास के क्षेत्र में गुम हुई 50 महिलाओं की जांच की तो इनमें से एक का नाम मीरा बाई निकला, इसके बाद उसकी पहचान हो गई। वह रतलाम जिले के बिलपांक थाना इलाके के मऊ गांव की रहने वाली थी। जानकारी के मुताबिक 6 जून को मीराबेन पति से विवाद होने के बाद घर से चली गई थी। परिजन कुछ दिन उसका इंतजार करते रहे। इसके बाद 12 जून को गुमशुदगी की रिपोर्ट थाने में दर्ज करवाई गई। पुलिस के अनुसार महिला की दो बेटियां हैं और उन्होंने हाथ में गुदे नाम, कपड़े और बिंदी से मां को पहचान लिया। पुलिस अब डीएनए जांच भी करवाएगी। इंदौर स्टेशन के यार्ड में 8 जून को

नागदा-महू पैसेंजर ट्रेन में बैग में महिला के अंग मिले थे, इसके बाद 9 जून को ऋषिकेश रेलवे स्टेशन पर खड़ी इंदौर-योगनगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस में शव के बाकी अंग मिले। जानकारी के मुताबिक ये दोनों ही ट्रेने एक ही समय पर उज्जैन रेलवे स्टेशन पर खड़ी थी। जिससे आशंका है कि हत्यारों ने वहीं दोनों ट्रेनों में इन्हें रखा। पुलिस ने इस मामले में मीराबेन से बात करने वाले 40 संदेहियों से भी पूछताछ की है।

सेल्फी लेने के चक्कर में इंजीनियरिंग छात्र नर्मदा में डूबा

इंदौर। सेल्फी लेने के चक्कर में एक इंजीनियरिंग छात्र नर्मदा में डूब गया। वह दोस्तों के साथ ओंकारेश्वर घूमने गया था। घटना रविवार रात 11 बजे चक्रतीर्थ घाट की है। छात्र चट्टान पर खड़े होकर सेल्फी ले रहा था, तभी पैर फिसला और वह नर्मदा नदी में गिर गया। जहां गिरा, वहां गहरा पानी है। सोमवार को दिनभर गोताखोर तलाशते रहे, लेकिन वह नहीं मिला। खंडवा की मांधाता पुलिस के अनुसार इंदौर के एसजीएसआईटीएस कॉलेज के द्वितीय वर्ष में पढ़ने वाले 19 वर्षीय पार्थ पिता हरि मोहन अग्रवाल की सोमवार दिनभर से तलाश जारी है, लेकिन वह नहीं मिला। 11 घंटे तक गोताखोरों ने 1 किलोमीटर के दायरे में उसे तलाशा, लेकिन पता नहीं चला है। सोमवार को पार्थ के चाचा राजीव अग्रवाल खंडवा पहुंचे। होमगार्ड के प्लाटून कमांडर रवींद्र महिवाल व गोताखोर कैलाश बोरकरे ने बताया पा?र्थ और उसके साथ आई एक युवती चट्टान पर खड़े होकर सेल्फी ले रहे थे। इस बीच उसका पैर फिसला और वह गहरे पानी में गिर गया। वहीं, चाचा राजीव का कहना है कि वह सेल्फी नहीं ले रहा था। उसके साथियों से पूछा तो उन्होंने बताया कि मोबाइल एक तरफ रखे थे। हम सभी चट्टान पर बैठे हुए थे।

गोताखोर नागेंद्र शर्मा, कैलाश बोरकरे व तोताराम केवट ने बताया जहां पार्थ डूबा वहां नदी काफी गहरी है। इतनी नीचे कोई नहीं जा सकता। इधर, पार्थ के न मिलने से परेशान चाचा राजीव ने प्रशासन से मांग की कि ऑक्सीजन पहने गोताखोर यहां उपलब्ध करवाएं, जिससे डूबे लोगों को समय रहते ढूंढा जा सके। ऑक्सीजन सिलेंडर से लैस गोताखोर होते तो खोजबीन जल्द हो जाती।

पार्थ मेधावी छात्र है। उसका परिवार ग्वालियर के कंपू स्थित ठाकुर मोहल्ला में रहता है। परिवार में माता-पिता, बड़ा भाई व छोटी बहन हैं। पिता किराना व्यवसायी हैं। बड़ा भाई इंजीनियर है। वह हाल ही में दिल्ली में जॉब के लिए गया है। परिजन को घटना की सूचना दे दी है।

शहर के बाहर देर रात चलने वाली पार्टियों से ग्रामीण परेशान

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। पुलिस और आबकारी विभाग ने शहर में पब-बार में देर रात तक चलने वाली पार्टियों पर सख्ती कर दी है, लेकिन इससे बचने के लिए इन्होंने शहर के बाहरी इलाकों का रूख कर लिया है। यहां कई रिसार्ट, पब, फार्म हाउस खुल गए हैं, जहां पूरी रात पार्टियां चलती हैं। यहां आस-पास के गांवों के लोग भी इससे परेशान हो चुके हैं। शहर के बाहरी इलाके रालामंडल स्थित रिवेरा हिल्स के फार्म हाउस में रेव पार्टी पर पुलिस ने दबिश दी थी। यहां से बड़ी संख्या में युवक-युवतियों को नशे की हालत में पकड़ा गया था। इनके पास से गांजा सहित अन्य नशे का सामान बरामद किया गया था। इंदौर शहर के बायपास की ओर कई पब खुल गए हैं। यहां देर रात युवक-युवतियां पार्टियों में शामिल होकर नशे की हालत में ही वाहन चलाते हैं, जिसके कारण सड़क दुर्घटना का खतरा भी बना रहता है। नेमावर ब्रिज के

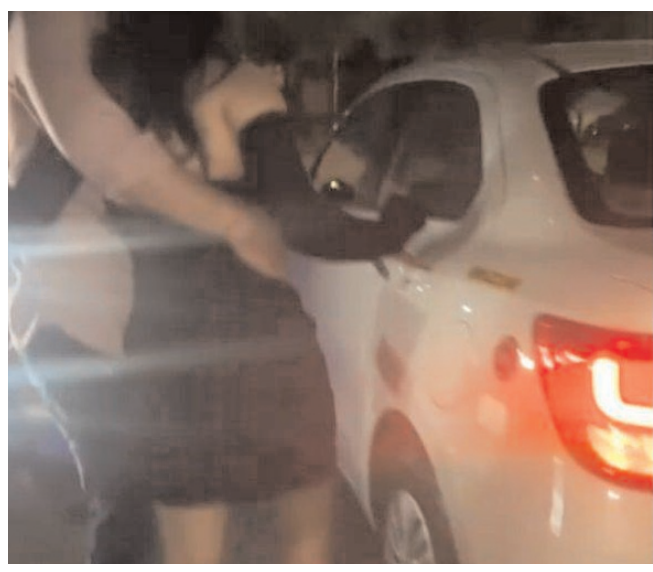

पास बिल्डिंग में पब और बार संचालित हो रहे हैं। यहां सड़क पर ही वाहन पार्क किए जाते हैं। इसका विरोध देवगुराड़िया के ग्रामीणों ने किया ।

सड़क पर ही खड़े कर देते हैं वाहन

देवगुराड़िया के ग्रामीणों ने बताया कि यहां पब में देर रात तक पार्टी चलती रहती हैं। पार्किंग व्यवस्था नहीं होने से बायपास से देवगुराड़िया की कालोनियों में जाने वाले मार्ग पर ही वाहन खड़े कर देते हैं। हम कई बार इसकी शिकायत भी कर चुके हैं, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला।

हादसा होने के बाद भड़के ग्रामीण

पबों के आस-पास सड़कों पर ही शराब की बोतलें पड़ी रहती हैं। देवगुराड़िया क्षेत्र में पब के बाहर सड़क पर वाहन खड़े होने से रविवार को रास्ता नहीं मिलने से दोपहिया वाहन चालक दुर्घटना का शिकार हो गया। रहवासियों के हंगामे के बाद कनाड़िया और खुड़ैल थाने की पुलिस वहां पहुंची और लोगों को समझाइश देकर लौट गई।

बाहरी क्षेत्र में खुले कई रिसॉर्ट

शहर के बाहरी क्षेत्र में बड़ी संख्या में रिसॉर्ट भी खुल गए हैं। इनमें बने फार्म हाउस को संचालक पार्टी के लिए किराए पर देते हैं। नेमावर रोड, कंपेल रोड, रालामंडल, कनाड़िया रोड, बिचौली आदि क्षेत्रों में देर रात तक पार्टी होती है। इंदौर कलेक्टर ने हाल ही में देर रात तक पार्टी करवाने वाले डीयाबलो, टीडीएस, पिंड बलूची पबों के लाइसेंस निरस्त कर दिए थे।

सिंधिया के लोकसभा क्षेत्र के गांवों में मिलेगा आर्थिक विकास को बढ़ावा

प्रदेश के तीन गांव बनेंगे 5-जी इंटेलिजेंट विलेज

सिटी चीफ भोपाल।
मध्य प्रदेश के तीन गांव 5-जी इंटेलिजेंट विलेज बनेंगे। इसका उद्देश्य ग्रामीण जीवन में बदलाव लाने और डिजिटल समावेशन एवं आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए 5-जी प्रौद्योगिकी का उपयोग करना है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के दूरसंचार मंत्रालय संभालते ही बड़ी सौगात दी है। सिंधिया ने शिवपुरी, गुना और अशोनगर जिले के तीन गांव को 5-जी इंटेलिजेंट विलेज बनाने की घोषणा की है। ये तीनों जिले सिंधिया के गुना-शिवपुरी लोकसभा क्षेत्र में आते हैं। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने लोकसभा चुनाव में जीत के बाद दूरसंचार मंत्रालय का पदभार 10 जून 2024 को संभाला और एक सप्ताह बाद ही दूरसंचार मंत्रालय ने देश के ग्रामीण इलाकों की एक नई पहल में शिवपुरी, गुना और अशोकनगर जिले के तीन गांव को लाभांवित किया है। दूरसंचार मंत्रालय द्वारा 5जी इंटेलिजेंट विलेजऔर क्वांटम एन्क्रिप्शन एल्गोरिदम श्रेणियों के तहत प्रस्ताव की घोषणा की है। इस 5जी इंटेलिजेंट विलेज के उद्देश्य के तहत ग्रामीण जीवन में बदलाव लाने और डिजिटल समावेशन एवं आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए 5जी प्रौद्योगिकी का उपयोग करना है। चयनित गांवों को 5जी के अल्ट्रा-रिलायबल लो-लेटेंसी कम्युनिकेशन (यूआरएलएलसी) और मैसिव मशीन टाइप कम्युनिकेशन (एमएमटीसी) तकनीकों का प्रभावी तौर पर उपयोग में समर्थ बनाने के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं, जो 5जी कनेक्टिविटी के फायदों को प्रदर्शित करते हैं। बता दें, इन प्रस्तावों में भागीदारी के लिए उद्योग, एमएसएमई, स्टार्टअप, शिक्षा जगत और उन सरकारी विभागों को आमंत्रित किया गया है, जो दूरसंचार उत्पादों एवं समाधानों के प्रौद्योगिकी डिजाइन, विकास एवं वाणिज्यिकरण जैसे कार्यों में शामिल हैं। मध्य प्रदेश के अशोक नगर जिला रावसर गांव, गुना जिले का आरी

गांव, शिवपुरी जिले का बांसखेड़ी गांव शामिल है। इसके अलावा गुजरात के आणद जिले का धर्मज, उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले का रामगढ़ उर्फ राजाही, महाराष्ट्र के नागपुर जिले का बाजारगांव, राजस्थान के भीलवाड़ा जिले का भगवानपुरा, असम के नौगांव जिले का डबलोंग, आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले का बुरीपालेम गांव शामिल है।

रोजगार के अवसर बढ़ेंगे
दूरसंचार मंत्रालय का 5-जी इंटेलिजेंट विलेज प्रोग्राम का लक्ष्य है कि 5-जी टेक्नोलॉजी की मदद से ग्रामीण इलाकों में अभूतपूर्व बदलाव लाया जा सके। यह पहल कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, शासन और सस्टेनेबिलिटी जैसे क्षेत्रों पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और इससे रोजगार बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। इन प्रस्तावों में मौजूदा कवरेज के दायरे से बाहर के क्षेत्रों में भी 5-जी कनेक्टिविटी स्थापित करने की योजना शामिल हो सकती है। इस पहल का उद्देश्य 5जी के संभावित फायदों का पता लगाने और उनका दोहन करने के लिए दूरसंचार सेवा प्रदाताओं, सेंसर विनिमार्ताओं, सीसीटीवी आपूर्तिकताओं और आईओटी सेवा प्रदाताओं को एक ही प्लेटफॉर्म पर जुटाने के आवेदन जमा करने की अंतिम तारीख 31 जुलाई 2024 तय की गई है।

सतना जिले का चित्रकूट रहा प्रदेश का सबसे गर्म शहर, 46.5 डिग्री पर पहुंच गया पारा

प्रदेश में तप रहे 10 जिले, छह में बारिश का रेड अलर्ट

सिटी चीफ भोपाल।
मध्य प्रदेश में मौसम के कुछ अलग ही रंग देखने को मिल रहे हैं। कुछ जिलों में भीषण गर्मी पड़ रही है तो कुछ जिलों में प्रीमानसून की बारिश हो रही है। जिन जिलों में भीषण गर्मी पड़ रही है, वहां पारा 45 डिग्री के पार जा रहा है, जबकि कुछ जिले ऐसे हैं जहां पारा 40 डिग्री से कम है।

सोमवार को मध्य प्रदेश के भोपाल समेत कई जिलों में बारिश हुई। इससे दिन के तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। भोपाल, पचमढ़ी और रायसेन में सबसे कम 34.2 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। इसके अलावा जबलपुर में 36.8 डिग्री, उज्जैन में 38.5 डिग्री और इंदौर में 38.4 डिग्री तापमान दर्ज किया। इससे यहां लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिलती नजर आई।

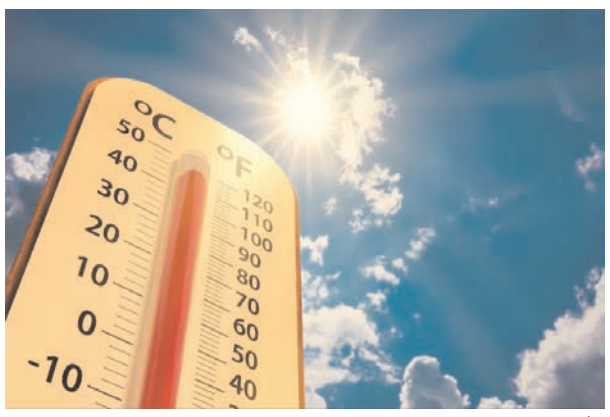

प्रदेश में भीषण का असर सबसे अधिक सतना जिले के चित्रकूट में देखने को मिला। यहां सोमवार को दिन का तापमान 46.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके आलावा भी कुछ ऐसे शहर रहे जहां का 40 डिग्री से अधिक तापमान होने के कारण लोग गर्मी से झुलसते नजर आए। मध्य प्रदेश में प्री-मानसूम एक्टिविटी जारी है। इसके असर से बुधवार को प्रदेश के छह जिलों में आंधी के साथ तेज बरिश हो सकती है। मौसम विभाग की ओर से छिंदवाड़ा, पांढुर्णा कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर और सिवनी में बारिश व आंधी का रेड अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा नर्मदापुरम, अनूपपुर, बालाघाट, हरदा, डिंडोरी, बैतूल, सागर, दमोह, मंडला, पन्ना, उमरिया और शहडोल में गरज-चमक के साथ हल्की बरसात हो सकती है। प्रदेश की राजधनी भोपाल, सीहोर, उज्जैन, रायसेन, शाजापुर, बुरहानपुर, देवास, खरगोन आर खंडवा में भी बादल छाए रहने के साथ गरज-चमक हो सकती है। वहीं, टीकमगढ़, ग्वालियर, छतरपुर, दतिया, मऊगंज, शिवपुरी, भिंड, सीधी, सिंगरौली, सतना, मैहर और रीवा में गर्मी का कहर देखने को मिलेगा।

मानसून में कुछ दिन और हो सकती है देरी
मौसम विभाग के अनुसार मानसून को लेकर अभी प्रदेशवासियों को इंतजार करना होगा। मानसून स्थिर हो गया है, अभी आगे नहीं बढ़ रहा है। ऐसे में इसके कुछ दिन की देरी हो सकती है।

मध्यप्रदेश कांग्रेस में 70 प्रतिशत युवाओं को मिलेगा मौका, महिलाओं की भी बढ़ेगी भागेदारी

निष्क्रिय कार्यकर्ताओं में जान फूंकेगी कांग्रेस, देगी जिम्मेदारी

सिटी चीफ भोपाल।
विधानसभा और लोकसभा चुनाव में मध्यप्रदेश कांग्रेस को मिली करारी हार के बाद पार्टी संगठन में बदलाव का काम तेजी से चल रहा है। कांग्रेस के प्रदेश का अध्यक्ष जीतू पटवारी इसको लेकर प्रदेश भर के नेताओं और संगठन पदाधिकारी की अलग-अलग बैठकर कर चुके हैं। नेताओं और पदाधिकारी के काम करने की शैली पर भी निगरानी की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक प्रदेश के निष्क्रिय नेताओं पर पार्टी का फोकस रहेगा। इनमें फिर से जान फूंकने के लिए पार्टी बड़ी जिम्मेदारी देने की तैयारी में है। कांग्रेस सूत्रों की माने तो जीतू पटवारी की टीम में करीब 70 प्रतिशत युवाओं को मौका मिल सकता है। जबकि 30 प्रतिशत बुजुर्ग नेताओं को टीम में शामिल किया जा सकता है। खास बात यह है कि जीतू पटवारी इस बार महिलाओं को खास तवज्जो देने की तैयारी में

हैं। टीम में महिलाओं की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। मध्यप्रदेश में लगातार मिल रही हार की समीक्षा जीतू पटवारी की टीम कर रही है। साथ ही 10 साल का रोड मैप तैयार किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, प्रदेश भर में निष्क्रिय कांग्रेस कार्यकताओं को एक बार फिर से जिम्मेदारी देने और उन्हें कांग्रेस पार्टी में काम करने के लिए उत्साहित किया जाएगा। नई टीम में उपाध्यक्ष, महामंत्री और सचिवों की संख्या 70 से अधिक नहीं होगी। इस बार छोटी और मजबूत टीम बनाई जाएगी। कांग्रेस के अंदर खाने से मिली जानकारी के अनुसार, प्रदेश कांग्रेस ने अपनी नई टीम का लगभग विस्तार कर लिया है। बस आलाकमान की मुहर लगना बाकी है। मुहर लगने के बाद नई टीम का एलान किया जाएगा।

लोकायुक्त ने निगम के 14 अफसरों को जारी किया नोटिस, अब सख्ती से होगी जांच

कर्मकार घोटाले में जिंदा मजदूरों को मृत बताकर लूटे गए 2-2 लाख रुपए का मामला

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। लोकायुक्त पुलिस ने मंगलवार को नगर निगम के 14 अफसरों को गायब हुई 95 फाइलों के संबंध में नोटिस जारी कर दिया है। लिहाजा लोकायुक्त पुलिस का निगम के जोनल अधिकारी और वार्ड प्रभारियों पर शिकंजा कसता जा रहा है। सेक्शन 91 के तहत निगम के जोनल अधिकारी और वार्ड प्रभारियों को यह नोटिस जारी किए गए हैं।

अब लोकायुक्त पुलिस ने निगम के इन अफसरों को आड़े हाथों लेकर सख्ती से गायब हुई फाइलों के संबंध में पूछताछ करेगी।

लोकायुक्त के डीएसपी संजय शुक्ला ने बताया कि नोटिस जारी कर दिए हैं। चूंकि सबसे एक साथ पूछताछ नहीं हो सकती थी। इसलिए एक-एक कर सबको बुलाया जाएगा। उनके कार्यालय में बनी फाइलें आखिर कहां गायब है। इस बारे में उनसे सवाल किए जाएंगे। यदि तथ्यों के साथ छेड़छाड़ की गई है तो उनके खिलाफ एक्ट के तहत कई नई धाराएं लगाई जाएंगी। ज्ञात हो कि नगर निगम द्वारा लोकायुक्त को 118 में से सिर्फ 23 फाइलें दी गई थी। शेष 95 फाइलें गायब हैं। उन फाइलों की लोकायुक्त को तलाश है ।

यह है कर्मकार घोटाला
कर्मकार घोटाले में जिंदा मजदूरों को मृत बताकर जोनल अधिकारी और वार्ड प्रभारियां द्वारा लूटे गए 2-2 लाख रुपए के मामले में 13 जून को लोकायुक्त ने एफआइआर दर्ज कर जांच शुरू की थी। इसमें फिलहाल आठ जोनल अधिकारी सहित 17 अधिकारी-कर्मचारियों पर मामला दर्ज हुआ है, जबकि अब तक पड़ताल में मिले तथ्यों के आधार पर जांच का दायरा बढ़ता नजर आ रहा है । जुलाई 2023 में संबल के नाम से उजागर हुई कर्मकार मंडल से जुड़ी 2.66 करोड़ रुपए के भुगतान वाली 133 फाइलों को भी लोकायुक्त पुलिस की जांच में शामिल किया जाएगा।

पीसीसी चीफ बोले- आचमन लायक भी नहीं बचा नदी का पानी

क्षिप्रा के पानी से स्किन कैंसर होने का खतरा : पटवारी

सिटी चीफ भोपाल।
मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने उज्जैन की क्षिप्रा नदी के पानी की शुद्धता पर बड़ा सवाल उठाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के गृह क्षेत्र उज्जैन में क्षिप्रा नदी का पानी अब आचमन लायक भी नहीं है। इस पानी में ऐसे तत्व हैं, जो इंसानों के साथ जलीय जीव-जंतुओं के लिए भी हानिकारक हैं। उज्जैन में भगवान महाकाल के दर्शन करने और महाकाल लोक बनने के बाद लाखों श्रद्धालु यहां आते हैं।

पटवारी ने कहा कि जब क्षिप्रा जल की वैज्ञानिक जांच करवाई तो तब यह खुलासा हुआ। इसमें दत्त आश्रम और रामघाट के पानी की जांच रिपोर्ट चौंकाने वाली आई है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस पानी में लगातार स्नान से स्किन कैंसर होने का खतरा है। पटवारी ने कहा कि ये भी वही रामघाट है, जहां सबसे ज्यादा श्रद्धालु स्नान करने पहुंचते हैं। सारे कर्मकांड और विधि-विधान भी यहीं संपन्न किए जाते हैं। कई श्रद्धालु पहले रामघाट पहुंचकर क्षिप्रा में स्नान करते हैं, फिर महाकाल के दर्शन के लिए जाते हैं।

भोपाल नगर निगम की वाटर टेस्टिंग लेबोरेटरी से करवाई गई जांच
पटवारी ने कहा कि पानी सैंपल की जांच भी भोपाल नगर निगम की वाटर टेस्टिंग लेबोरेटरी से करवाई गई है। ताकि सवाल उठने के बाद किसी को यह कहने का मौका न मिले कि प्रदेश की भाजपा सरकार और उज्जैन को बदनाम करने के लिए इस तरह की कोशिश की गई है। लोकसभा चुनाव के दौरान उज्जैन से कांग्रेस प्रत्याशी महेश परमार ने क्षिप्रा में डुबकी लगाकर आरोप भी लगाए थे कि इस पवित्र नदी का पानी गंदा है। सफाई पर सरकार का ध्यान नहीं है। इसके बाद मुख्यमंत्री जी आपने भी मां क्षिप्रा में डुबकी लगाकर यह जताने की कोशिश की थी कि यह पवित्र जल पवित्र ही है। लेकिन अपवित्र को पवित्र दिखाने का आपका पाखंड एक बार फिर देश-प्रदेश की जनता के सामने आ चुका है।

पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को घेरा
पटवारी ने कहा कि मोहन यादव मुझे नहीं लगता कि देश की सबसे पवित्र नदियों में शामिल शिप्रा की इस स्थिति पर अब आप फिर से कुछ कहने का साहस कर पाएंगे। अब बात अलग है कि सरकार की लूटी हुई लाज बचाने के लिए फिर से आप क्षिप्रा जी में डुबकी लगा लें। यदि मन हो तो आप फिर से डुबकी जरूर लगाएं, लेकिन जब बाहर आएं, तो यह विश्वास भी दिलाएं कि क्षिप्रा जी की पवित्रता आपके दावे जितनी ही शुद्ध होगी। वैसे मुझे तो संदेह ही रहेगा, क्योंकि मैं ऐसे तमाशे पहले भी कई बार देख चुका हूं।

एक साल बाद भी नियुक्ति नहीं होने से नाराज हैं नर्सिंग छात्राएं

सड़कों पर उतरीं छात्राएं, सतपुड़ा भवन घेरा

सिटी चीफ भोपाल।
मध्यप्रदेश में चर्चा का विषय बने हुए निजी नर्सिंग कॉलेजों के बाद अब सरकारी कॉलेजों की भी लापरवाही सामने आने लगी। प्रदेश के सरकारी कॉलेजों में बॉन्ड भरने के बाद चार साल का कोर्स करने वाली छात्राओं को एक साल का समय बीतने के बाद भी उन्हें नियुक्ति नहीं दी गई। जबकि ये छात्राएं लगातार चिकित्सा शिक्षा विभाग से गुहार लगाती रही है।

अब छात्राओं ने आंदोलन का रास्ता अपना लिया। मंगलवार को बारिश में भी नर्सिंग छात्राएं भोपाल की सड़कों पर उतरीं और अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान नर्सिंग छात्राएं सतपुड़ा भवन पहुंचकर अधिकारियों से मिलने की कोशिश की। लेकिन वहां पर उन्हें कोई मिलने को तैयार नहीं हुआ। इसके बाद सतपुड़ा भवन के सामने प्रदर्शन किया और जमकर नारेबाजी की।

पांच साल पहले व्यापम द्वारा हुआ था सेलेक्शन
दर्जनों की संख्या में नर्सिंग छात्राएं छात्र नेता रवि परमार के नेतृत्व में सतपुड़ा भवन पहुंची। यहां उन्होंने नियुक्ति की मांगों को लेकर नारेबाजी की और सतपुड़ा भवन का घेराव किया। प्रदर्शनकारी नर्सिंग छात्राओं ने बताया कि शासकीय नर्सिंग कॉलेजों की छात्राएं है। उनका सेलेक्शन प्रोफेशनल एक्जामिनेशन बोर्ड (व्यापम) द्वारा किया गया था और चार वर्षों का बीएससी नर्सिंग का कोर्स पूर्ण हो चुका है। छात्राओं ने कहा कि हमारा नर्सिंग का सत्र 2018 से 2022 है। प्रोफेशनल एक्जामिनेशन बोर्ड (व्यापम) द्वारा दी गई प्रवेश नियम के अनुसार चार वर्षीय पाठ्यक्रम करने के पश्चात

पांच वर्ष की शासकीय सेवा करने के लिए वचनबद्ध रहने का बॉन्ड भरवाया गया था। हमारी कालेजों से रिलिविंग हुए पूर्ण 1 वर्ष हो चुका है, हम बॉन्डेड छात्राएं हैं।

पढ़ाई पूरी होने के बाद आर्थिक समस्याओं से गुजर रही छात्राएं

एनएसयूआई नेता रवि परमार ने कहा कि छात्राओं की जल्द से जल्द पोस्टिंग करवाई जाए। पोस्टिंग न होने की वजह से छात्राओं का एक वर्ष बर्बाद हो चुका है, जिस वजह से छात्राओं को अनेक आर्थिक समस्याओं से गुजारना पड़ रहा है। परमार ने कहा कि तत्कालीन चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग के कारण नर्सिंग क्षेत्र भ्रष्टाचार और अनीमित्तताओं का अड्डा बन चुका है। नर्सिंग घोटाले में एक के बाद एक चौंकाने वाले तथ्य सामने आ रहे हैं। यही कारण है कि न तो एग्जाम समय पर हो पाते हैं और न ही उन्हें पोस्टिंग दी जाती है। परमार ने राज्य सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि नर्सिंग बहनों को यदि जल्द पोस्टिंग नहीं दी जाती तो उग्र प्रदर्शन को मजबूर होंगे।

सम्पादकीय

जम्मू-कश्मीर में बचे-खुचे आतंकवाद को कुचलने का समय

अब नए सिरे से आतंकियों ने अपने नेटवर्क जम्मू में फैलाए हैं और अचानक हमले बढ़ा दिए गए हैं। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद नगण्य है। फिर भी 2024 में अभी तक 20 आतंकी हमले किए जा चुके हैं और 13 जून तक 42 नागरिकों और जवानों ने अपनी जिंदगी खोई है। भारत ऐसा नुकसान क्यों झेले?

जम्मू-कश्मीर के सुरक्षा-हालात पर प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने जो शीर्ष बैठकें की हैं, वे बेमानी नहीं हैं, लेकिन उन्हीं से पाकपरस्त आतंकवाद को कुचला और जड़ से उखाड़ा नहीं जा सकता। कश्मीर घाटी और अन्य राज्यों में सक्रिय आतंकवाद या उग्रवाद के उदाहरण हमारे सामने हैं। सेना, सुरक्षा बलों, पुलिस और स्थानीय गुप्तचरों के साझा ऑपरेशन कई साल तक चलाने पड़े, तो आज घाटी लगभग आतंकवाद-मुक्त है। हम इन बैठकों को खारिज नहीं करते, क्योंकि कई विचार सामने आकर साझा किए जा सकते हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय सीमा, नियंत्रण-रेखा से जम्मू-कश्मीर की जमीन तक जो सेना सक्रिय रही है, उसके समानांतर सुरक्षा-बल तैनात और सक्रिय रहे हैं। स्थानीय सूचनाओं और गतिविधियों की सूत्रधार स्थानीय पुलिस रही है। ऐसी तमाम एजेंसियों को एक सर्कुलर के जरिये निर्देश और आदेश दिए जा सकते थे। उपराज्यपाल के जरिये केंद्र सरकार अपना आदेश दे सकती है। जम्मू संभाग के राजौरी, पुंछ, कठुआ, डोडा से किश्तवाड़ तक आईबी गुप्तचर की सूचनाएं इतनी सटीक नहीं हो सकतीं, जितनी एक स्थानीय जासूस की गुप्तचरी सटीक हो सकती है और लक्ष्य तक पहुंचना आसान हो सकता है। जम्मू में खुफिया-तंत्र की कमियां अब भी महसूस की जा रही हैं। वैसे जम्मू संभाग में आतंकी हरकतें अचानक नहीं बढ़ी हैं। ये आतंकियों की रणनीति हो सकती हैं। अलबत्ता 1990-2005 के सालों में जम्मू के घने जंगलात में आतंकी गतिविधियां और हमले निरंतर देखने को मिलते रहे। यह दीगर है कि घुसपैठ, गिरोहबाजी, अलगाववाद और पाकपरस्त आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन और अभियान कश्मीर घाटी में ज्यादा किए जाते रहे। तब जम्मू को आतंकवाद-मुक्त करा लिया गया था। अब नए सिरे से आतंकियों ने अपने नेटवर्क जम्मू में फैलाए हैं और अचानक हमले बढ़ा दिए गए हैं। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद नगण्य है। फिर भी 2024 में अभी तक 20 आतंकी हमले किए जा चुके हैं और 13 जून तक 42 नागरिकों और जवानों ने अपनी जिंदगी खोई है। भारत ऐसा नुकसान भी क्यों झेले? बहरहाल केंद्र सरकार से जो निर्देश मिले हैं, उनके मद्देनजर जम्मू-कश्मीर पुलिस महानिदेशक स्वैन का दावा है कि अब बचे-खुचे आतंकवाद को कुचल दिया जाएगा, मसल दिया जाएगा, घर-घर ढूंढ कर चुन-चुन कर मौत के घाट उतार दिया जाएगा। बहरहाल हमारी सुरक्षा एजेंसियों और जवानों की अग्निपरीक्षा अमरनाथ यात्रा है। यह 29 जून से शुरू हो रही है और अगले ही दिन जनरल उपेंद्र द्विवेदी नए सेना प्रमुख का कार्यभार संभाल रहे हैं। वे कश्मीर और आतंकवाद से अनभिज्ञ, अपरिचित नहीं हैं। अमरनाथ यात्रा अगस्त तक जारी रहेगी। आतंकी हमला करने की फिराक में होंगे और हमारी सुरक्षा एजेंसियों ने फुलप्रूफ योजना बनाई होगी। यात्रा के चप्पे-चप्पे पर 500 कंपनियों के जवान तैनात किए जा रहे हैं। खुफिया सूचनाओं पर तुरंत कार्यवाही की जा रही है। खासकर टीआरएफ आतंकी संगठन के साथ-साथ लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मुहम्मद के दहशतगर्दों पर भी निगाहें चिपकी रहेंगी। इस बार प्रशासन ने प्रत्येक तीर्थयात्री का 5 लाख रुपए का बीमा भी किया है। जम्मू-कश्मीर और आतंकवाद के संदर्भ में हमारे उन अनुभवी जनरलों की सोच कुछ भिन्न है, जो दशकों तक कश्मीर में कार्यरत रहे हैं और आतंकियों को ढेर किया है। वे जनरल हालिया आतंकी हमलों से क्षुब्ध हैं, क्योंकि आतंकियों ने उस दिन हमला करके भारत को संदेश दिया था, जब देश की सरकार शपथ ले रही थी। अब ऐसे रक्षा विशेषज्ञों की राय है कि पाकिस्तान के साथ जो युद्धविराम किया हुआ है, तुरंत उस समझौते को रद्द किया जाए। यह युद्धविराम एकतरफा और बेमानी है, क्योंकि पाकिस्तान आतंकियों की घुसपैठ कराता रहा है। आतंकियों को हथियार भी मुहैया कराता है। विशेषज्ञों का परामर्श है कि अब पाकिस्तान की फौज के मुख्य ठिकानों पर ही हमला किया जाए। सिर्फ आतंकी अड्डों, लॉन्चिंग पैड, प्रशिक्षण शिविरों आदि पर ही हवाई हमले करने से आतंकियों की घुसपैठ नहीं रुकेगी। पाकिस्तान फिलहाल बदहाल देश की स्थिति में है। उसकी फौज पर निरंतर हमले करेंगे, तो उसकी फौज ही विकलांग हो जाएगी। वह पलटवार करने लायक भी नहीं रहेगी।

सही वितरण का समय, तभी मजबूत होगा बुनियादी ढांचा

नई राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के समक्ष आने वाली चुनौतियों पर विचार करना प्रासंगिक है। भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) बढ़ गया है, लेकिन हाल के वर्षों में विकास की जो शानदार कहानियां सुनने को मिली हैं, उनमें ग्रामीण, कृषि आबादी की आजीविका के संघर्ष और बेरोजगार युवाओं की बेचैनी को नजर अंदाज कर दिया जाता है। इस बार के लोकसभा चुनाव ने दिखाया कि इन दोनों मुद्दों का क्या महत्व है। लाखों आम भारतीय, जिनके पास कोई पुश्तैनी संपत्ति या सामाजिक संपर्क नहीं है, कम आय और बढ़ती खाद्य कीमतों से जूझ रहे हैं। यही सचाई है। जो लोग इन मुद्दों पर ध्यान देते रहे हैं, उनके लिए ग्रामीण भारत के संकट और युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी कोई नई बात नहीं है। निराशा और हताशा की खबरें बार-बार आती हैं। हिंदी पट्टी में भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक के कारण परीक्षाओं के रद्द होने की घटनाएं इसके कई संकेत देती हैं। भारत कई अरबपतियों के साथ तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक हो सकता है, लेकिन यह बहुत ही असमान समाज है, जहां लाखों लोग सिर्फ जीवित रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि देश का जो विकास हुआ है, उसे नजर अंदाज कर दिया जाए। पिछले एक दशक में मोदी सरकार ने ग्रामीण भारत, जहां अब भी अधिकांश भारतीय रहते हैं, की तुलना में बुनियादी ढांचे के विकास को प्राथमिकता दी। एक दशक पहले की तुलना में देश में हवाई अड्डों की संख्या दोगुना हो गई, और 10,000 किलोमीटर सड़कें तथा 15 गीगावाट सौर ऊर्जा की क्षमता प्रति वर्ष बढ़ाई गई है। विकास के और भी बहुत से काम किए गए, लेकिन वास्तविकता यह है कि इसका लाभ अभी तक ग्रामीण आबादी, विशेषकर गरीबों तक नहीं पहुंचा है। पूरे देश में करीब 80 करोड़ लोग सरकार की मुफ्त राशन योजना पर निर्भर हैं। गरीब रायों के गांवों में लोग राजमार्गों, नकद हस्तांतरण, सब्सिडी वाली रसोई गैस, नल से जल और मुफ्त राशन तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजग सरकार द्वारा चलाई जा रही अन्य कल्याणकारी लाभों की प्रशंसा करते नहीं थकते। फिर भी किसानों की शिकायत है कि खेती लगातार घाटे का सौदा होती जा रही है। औसत वार्षिक कृषि वृद्धि आमतौर पर तीन प्रतिशत होती है, जो 2023-24 में केवल 1.4 प्रतिशत थी। इसके अलावा, उच खाद्य कीमतें भी हैं। तीन समान किस्तों में प्रति वर्ष 6,000 रुपये की किसान सम्मान निधि मददगार तो है, लेकिन कई किसान बेहतर आय चाहते हैं। बुनियादी ढांचे का विकास अब उतना श्रम-प्रधान नहीं रह गया है और यह पूरी तरह से आजीविका की समस्याओं का समाधान नहीं करता है। जीडीपी बढ़ने के साथ घरेलू कर्ज में वृद्धि और घरेलू बचत में गिरावट आ रही है। लेकिन ग्रामीण संकट और रोजगार के संकट के साथ-साथ लग्जरी कारों, अपार्टमेंटों और अन्य लग्जरी चीजों की मांग भी देश में बढ़ रही हैं। गांवों और शहरी झुग्गियों में ऐसे लाखों लोग हैं, जो अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) और दिल्ली स्थित मानव विकास संस्थान द्वारा जारी भारत रोजगार रिपोर्ट-2024 में बताया गया है कि वर्ष 2012-22 के दौरान आकस्मिक मजदूरों की मजदूरी में मामूली वृद्धि हुई और नियमित श्रमिकों की वास्तविक मजदूरी या तो स्थिर रही या घट गई।

केदारनाथ आपदा से क्या सीखा हमने?

लगता है हमारे योजनाकार और नीति नियंता न तो केदारनाथ की और ना ही धौलीगंगा की बाढ़ की विभीषिका से कोई सबक सीख सके। सवाल केवल उत्तराखण्ड हिमालय के विप्लवों का नहीं है। विकास के नाम पर पारिस्थितिकी से बेतहासा छेड़छाड़ सम्पूर्ण हिमालय के साथ हो रही है, जिसका अंजाम हम पिछले साल हिमाचल प्रदेश में भी देख चुके हैं।

केदारनाथ आपदा को गुजरे हुए 11 साल हो गए मगर उस विभीषिका के घाव अब तक नहीं भर पाए। उस त्रासदी में न जाने कितने लोग मरे होंगे, इसका सटीक अनुमान नहीं लग सका। मगर राज्य पुलिस द्वारा मानवाधिकार आयोग को सौंपी गई रिपोर्ट में इस आपदा में पूरे 6182 लोग लापता बताए गए। इनके अलावा लगभग 500 नरकंकाल पहाड़ियों पर भी मिले। लापता का मतलब जो कभी नहीं लौट सके। जिन साधुओं का पूछने वाला कोई नहीं तथा देश के सुदूर हिस्सों से आये गरीब यात्रियों का कोई रिकार्ड ही नहीं था। गैर सरकारी अपुष्ट अनुमानों में मृतकों की संख्या 10 हजार से अधिक बतायी गयी थी। अगर केदारनाथ आपदा से कोई सबक सीखा होता तो 7 फरवरी 2021 को सीमान्त चमोली जिले के उच्च हिमालयी क्षेत्र में धौली गंगा और ऋषिगंगा की बाढ़ की तबाही नहीं होती। उस त्रासदी में कम से कम 206 लोगों के मारे जाने की पृष्टि हुयी। अगर स्थानीय जनता और चण्डी प्रसाद भट्ट जैसे पर्यावरणविदों के विरोध के बावजूद ऋषिगंगा पर 13.2 मेगावाट और धौली गंगा पर 520 मेगावाट के बिजली प्रोजक्ट नहीं बन रहे होते तो इन नदियों की बाढ़ उतनी विनाशकारी नहीं होती। लगता है हमारे योजनाकार और नीति नियंता न तो केदारनाथ की और ना ही धौलीगंगा की बाढ़ की विभीषिका से कोई सबक सीख सके। सवाल केवल उत्तराखण्ड हिमालय के विप्लवों का नहीं है। विकास के नाम पर पारिस्थितिकी से बेतहासा छेड़छाड़ सम्पूर्ण हिमालय के साथ हो रही है, जिसका अंजाम हम पिछले साल हिमाचल प्रदेश में भी देख चुके हैं।

अगर 2013 के केदारनाथ और 2021 की धौलीगंगा आपदा से सबक लिया गया होता तो केदारनाथ में सौंदर्यीकरण और सुरक्षा के नाम पर इस तरह भारी भरकम निर्माण नहीं किया जा रहा होता। जबकि भारतीय भूगर्व विभाग के तत्कालीन निदेशक सहित महेन्द्र प्रताप सिंह बिष्ट आदि भूवैज्ञानिकों ने रामबाड़ा से ऊपर किसी भी हाल में भारी निर्माण कार्यों पर रोक लगाने की सिफारिश के साथ कहा था कि केदारनाथ धाम किसी ठोस जमीन पर न होकर मलबे के ऊपर स्थापित है, जो कि भारी निर्माण को सहन नहीं कर सकता। इधर विशेषज्ञों की चेतावनियों के बावजूद सौंदर्यीकरण के नाम पर बदरीनाथ धाम को भी खोद दिया गया। इस खुदाई के कारण बदरीनाथ की क्रोम धारा जैसी कुछ पवित्र धाराएं लुप्त हो गयीं।

यातायात के साधनों और सहूलियतों में वृद्धि के चलते उत्तराखण्ड के चारों धामों में यात्रियों की भीड़ पिछले रिकार्ड तोड़ती जा रही है। इस साल 16 जून तक चारों धामों में 23,54,440 यात्री पहुंच चुके थे। जबकि सन् 2000 तक पूरे छह महीनों में इससे बहुत कम यात्री आते थे। इन तीर्थों तक मोटर सड़क बनने से पहले मात्र 60-70 हजार यात्री ही पहुंच पाते थे। खास बात यह है कि यात्रियों का सैलाब बदरीनाथ से ज्यादा केदारनाथ में उमड़ रहा है। जबकि केदारनाथ के लिये 21 किमी लम्बी पैदल यात्रा है और बदरीनाथ सीधे वाहन से जाया जाता है।

भारी भीड़ जब संभल नहीं पाई तो सरकार ने यात्रियों के लिए प्रतिदिन का कोटा रखा मगर फिर उसे हटा दिया। आखिर सरकार को भी यात्रियों की भारी संख्या की उपलब्धि का बखान करना है। पद्मभूषण चण्डी प्रसाद भट्ट आदि विशेषज्ञों के अनुसार हिमालयी तीर्थों पर उनकी धारक क्षमता से इतनी अधिक भीड़ विनाशकारी ही हो सकती है।

सबसे अधिक चिन्ता का विषय तो यह है कि लाखों वाहन सीधे गंगोत्री और सतोपन्थ ग्लेशियर समूहों के पास तक पहुंच रहे हैं। जिससे इन ग्लेशियरों के पिघलने की गति बढ़ने और हिमालय पर हिमनद झीलों की संख्या और आकार बढ़ने का खतरा उत्पन्न हो गया है। सन् 2013 की बाढ़ में चोराबाड़ी झील ही केदारनाथ पर टूट पड़ी थी। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार इस साल 16 जून तक मात्र एक माह और 6 दिन में 2,58,957 वाहन बदरीनाथ और गंगोत्री तक और केदारनाथ तथा यमुनोत्री के निकट पहुंच चुके थे। शासन-प्रशासन यात्रियों की संख्या गिन-गिन कर ही आत्मविभोर है।

केदारनाथ आपदा के कारणों का पता लगाने के लिये राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआइडीएम) की टीमों ने स्वयं दो बार आपदाग्रस्त क्षेत्र का दौरा करने के साथ ही रिमोट सेंसिंग, वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियॉलाजी, राज्य आपदा न्यूनीकरण केन्द्र और भूगर्व सर्वेक्षण विभाग जैसी विभिन्न विशेषज्ञ ऐजेंसियों के सहयोग से तीन खण्डों में अपनी रिपोर्ट तैयार की थी। जिसमें केदारनाथ आपदा से सबक लेने के लिये 19 सिफारिशें और चेतावनियां दीं गयीं थीं। इनमें भी जलविद्युत परियोजनाओं को ज्यादा फोकस कर कहा गया था कि जलविद्युत परियोजनाओं से सदैव पर्यावरण विशेषज्ञों के साथ ही स्थानीय समुदाय को त्वरित बाढ़, जमीन धंसने, जल श्रोत सूखने और जनजीवन प्रभावित होने के साथ ही वन्य जीवन और पर्यावरण दूषित होने की शिकायतें भी रही हैं।

रिपोर्ट में कहा गया था कि उत्तराखण्ड जैसे संवेदनशील हिमालयी क्षेत्र में जलविद्युत परियोजनाओं के लिये पर्यावरण प्रभाव आंकलन बाध्यकारी होना चाहिए। इन परियोजनाओं की विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) में सुरंगों तथा अन्य क्षेत्रों से पहाड़ काट कर निकले मलबे के निस्तारण का भी स्पष्ट प्लान होना चाहिए। जिसमें मलबा निस्तारण के उचित स्थान और मलबे को निस्तारण स्थल तक पहुंचाने का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिये तथा डम्पिंग जोन को नदी क्षेत्र से काफी दूर होना चाहिए। इसमें डम्पिंग स्थल पर सुरक्षा दीवार जरूरी बताई थी ताकि बरसात में मलबा न बह सके? क्योंकि इस मलबे से नदी में त्वरित बाढ़ आने के साथ ही नदी की दिशा भटक जाती है जो कि भूस्खनों को भी जन्म देती हैं। रिपोर्ट में कहा गया था कि केदारनाथ की बाढ़ में श्रीनगर में 330 मेगावाट की परियोजना और चमोली जिले में 400 मेगावाट की विष्णुप्रयाग परियोजनाओं के मलबे ने बाढ़ की विभीषिका को कई गुना बढ़ाया है।

इसरो द्वारा गत वर्ष जारी देश के 147 संवेदनशील जिलों के भूस्खलन मानचित्र में उत्तराखण्ड का रुद्रप्रयाग जिला संवेदनशीलता कह दृष्टि से एक नम्बर पर तथा टिहरी दूसरे नम्बर पर दिखाया गया है। प्रदेश के सभी 13 जिले संवेदनशील बताये गये हैं। लेकिन इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। एनआइडीएम की रिपोर्ट में भूस्खलन जोनेशन मैपिंग का प्राथमिकता के आधार पर पालन, निर्माण कार्यों में विस्फोटों के प्रयोग पर रोक, सड़क निर्माण में वैज्ञानिक पद्धति के आधार पर, ढलानों के स्थिरीकरण के ठोस प्रयास और ग्लेशियल लेक तथा नदी प्रवाह निगरानी का ठोस ढांचा तैयार करने की सिफारिश भी की गयी थी। अगर इन सिफारिशों पर ध्यान दिया जाता तो पहाड़ इस तरह नहीं काटे जाते और केदारनाथ जैसे संवेदनशील स्थान पर सीमेंट कंकरीट का इतना बड़ा ढांचा भी खड़ा नही किया जाता और अब ना ही एवलांच संभावित बदरीनाथ धाम की हजामत की तैयारी न होती।

पर्यावरण सम्बन्धी अनुसंधानों में संलग्न संस्था काउंसिल ऑन इनर्जी, इनवायर्नमेंट एण्ड वाटर (सीईईडब्लु) द्वारा हाल ही में जारी एक रिपोर्ट के अनुसार उत्तराखण्ड में 1970 की अलकनन्दा बाढ़ के बाद त्वरित बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने, हिमनद झीलों के फटने और बिजली गिरने आदि आपदाओं में चार गुना वृद्धि हो गयी है। इन आपदाओं के खतरे में राज्य के 85 प्रतिशत जिलों की 90 लाख से अधिक आबादी आ गयी है। रिपोर्ट में इन आपदाओं का कारण पर्यावरण की उपेक्षा बताया गया है।

यूरोप : राष्ट्र की ओर वापसी, क्योंकि उदारवाद के साथ लोगों की नहीं है सहज सहमति

ऐसा नहीं है कि यूरोप में कोई नया भूत मंडरा रहा है। यूरोपीय संसद के चुनावों के बाद शुरुआती डर तो ऐसा ही दर्शा रहा है। दरअसल बात सिर्फ इतनी है कि वह केंद्र, जिस पर लंबे समय से उदारवादियों का कब्जा था, यूरोप के दो प्रमुख देशों में उग्र दक्षिणपंथी लहर के चलते ढह गया है। फ्रांस में मैरीन ली पेन के नेतृत्व में नेशनल रैली के शानदार प्रदर्शन ने यूरोप के मध्यमार्गी नेता इमैनुएल मैक्रों को भयभीत कर दिया है, जिन्होंने महाद्वीप की उदारवादी आत्मा के संरक्षण को इस कदर अपनी राजनीतिक जिम्मेदारी मान ली कि उन्होंने शीघ्र संसदीय चुनाव कराने तक का आह्वान कर दिया है।

जर्मनी में सत्तारूढ़ सोशल डेमोक्रैट्स ने अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी (एएफडी) की तुलना में बहुत खराब प्रदर्शन किया है। अन्य जगहों पर दक्षिणपंथ को मामूली बढ़त मिलने के बावजूद यूरोप ने खुद को पूरी तरह से उग्र दक्षिणपंथ के हवाले कर दिया हो, ऐसा नहीं है। अभी तक तो नहीं। फिर भी महाद्वीप की लोकप्रिय पसंद यानी उग्र दक्षिणपंथ उदारवादी व्यवस्था की कमजोरी और जन असंतोष को समझने में उसकी विफलता को दिखा रही है। आधुनिक फ्रांस का मूल कहे जाने वाले अति राष्ट्रवादियों यानी ली पेन के उत्तराधिकारियों ने मैक्रों के मध्यमार्गी पुनर्जागरण पर विजय हासिल कर उदात्त उदारवाद द्वारा निर्मित आदर्श को तो खंडित किया ही है, एक अस्थिर राष्ट्र को थामे रखने वाले %मूल निवासियों% की उग्र भावनाओं को भी उजागर किया है। जर्मनी में उग्र दक्षिणपंथ अपराध-बोध की उत्तर-नाजी राजनीति द्वारा संस्थागत रूप से वर्जित राष्ट्र का प्रतिरूप है। उग्र दक्षिणपंथियों के लिए अपराध-बोध को साझा करने से इन्कार करना हिटलर के निरंकुश नेतृत्व का समर्थन नहीं है, यह एक क्रूर इतिहास से उधार ली गई नफरत के बोझ के बिना राष्ट्र की ओर वापसी है।

हंगरी और पोलैंड पहले से ही पुनर्जीवित राष्ट्रवादियों के चंगुल में हैं। उदारवादियों की चिंताएं दक्षिणपंथी आक्रोश की तरह ही बढ़ी हुई हैं। इस स्थिति की सबसे स्पष्ट व्याख्या बौखलाए हुए उदारवादियों व मध्यमार्गियों की तरफ से मिलती है, जो पूरा दोष लोगों पर मढ़ देते हैं कि आज लोग यही सब पसंद कर रहे हैं। विचारधाराओं के मलबे से उपजे राजनेताओं पर यह विचार बिल्कुल सटीक बैठता है, जो थके हुए वाम व दक्षिणपंथी अभिजात्यवाद द्वारा त्यागे गए लोगों के डर का फायदा उठाते हुए राष्ट्र की मुक्ति को लेकर एक नए किस्म के मसीहावाद की छवि गढ़ रहे हैं। पश्चिमी उदारवादी इस तथ्य से इन्कार करते हैं कि वे उस समाजशास्त्र के सह-लेखक हैं, जिसने कथित लोकप्रिय लहर को बढ़ावा दिया है। जैसे-जैसे उत्तर-वैचारिक दुनिया में 'वर्ग' राजनीतिक विवाद के रूप में फिर से उभरा, अभिजात वर्ग के खिलाफ नाराजगी अनिवार्य हो गई।

यह अभिजात वर्ग, चाहे वह वामपंथी हो या दक्षिणपंथी, सत्ता में इस कदर मशगूल था कि वह स्थायी प्रतिष्ठान के खिलाफ भौगोलिक ताकत को महसूस ही नहीं कर पाया। जब ब्रेग्जिट ने एकीकृत यूरोप की कमजोरी को उजागर कर दिया, तो मूल निवासियों के बदला लेने का क्षण आ गया। जब इंग्लैंड ने अंग्रेज होने के अपने सुकून को वापस पा लिया, तो यह विचार और संस्कृति के मामले में यूरोप को खारिज करना नहीं था, बल्कि ब्रुसेल्स स्थित पोलित ब्यूरो को जवाब देना था। बाद में डोनाल्ड ट्रंप ने तो नीचे से ऊपर उठने वाले नाराज राष्ट्रों के आख्यान को बढ़ावा ही दिया।

यूरोपीय राष्ट्रवादियों ने पहले ही शिकायत एवं गर्व की राजनीति को सामान्य बना दिया है। हंगरी और पोलैंड जैसे दो उत्तर-साम्यवादी समाजों में सत्ता में आने के बाद, जहां स्वाभाविक तौर पर स्वतंत्रता को उदारवाद के विपरीत माना जाता था, कट्टरपंथी राष्ट्रवादियों ने राजनीति को एक सांस्कृतिक खोज बना दिया। और जहां भी उनका संघर्ष सत्ता के विरुद्ध था, उन्होंने राष्ट्र के रक्षक की भूमिका निभाई, जबकि उदार अभिजात वर्ग लगातार निराशा फैला रहा था, जैसा कि फ्रांस और जर्मनी में हुआ।

इसके अतिरिक्त, अप्रवासन एक ऐसा मुद्दा है, जिसका दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। एक तर्क और आदर्श के रूप में, राष्ट्र के लिए एक खतरे के रूप में और एक ऐतिहासिक स्मृति के प्रति कृतज्ञता के रूप में अनियंत्रित अप्रवासन एकमात्र ऐसा मुद्दा है, जो आज पश्चिम में किसी का राजनीतिक भाग्य बना या बिगाड़ सकता है-चाहे वह वामपंथी हो, उदारवादी हो या रूढ़िवादी हो। यूरोपीय संसद के चुनावों में उग्र दक्षिणपंथियों ने उदारवादियों और मध्यमार्गियों से अवैध या वैध अप्रवासन के लिए स्पष्टीकरण मांगा। यह उस पुराने सवाल की वापसी है कि हम कौन हैं? उग्र दक्षिणपंथ की ओर से प्रतिशोध के साथ आया यह सवाल उदारवादी व्यवस्था को एक सहज सहमति में बदलने वाली हर चीज को पुनर्मूल्यांकन के योग्य बनाता है। यदि पश्चिम के सांस्कृतिक निर्माण को अप्रवासन की कहानी के बगैर नहीं समझा जा सकता है, तो बहुसंस्कृतिवाद की इसकी स्वीकार्यता को इसकी अपनी संस्कृति में विश्वास के रूप में देखा जाता है। आज उदार आदर्शवाद को उन राष्ट्रों द्वारा चुनौती दी जा रही है, जिनका पुनर्जन्म दक्षिणपंथी कट्टरता के बल पर हुआ है। घर एक अटूट सांस्कृतिक वक्तव्य है और अब लोग इसका अर्थ समझने लगे हैं।

रूढ़िवादियों के लिए भी यह बेहद जरूरी है। आखिरकार, उदारवादी होने का अर्थ अनिवार्य रूप से वामपंथी या प्रगतिशील होना नहीं है। नवंबर में ट्रंप के दोबारा सत्ता में आने और सुनक के जुलाई में हारने की संभावना हमारे समय की रूढ़िवादी कहानी के दो बिल्कुल अलग नजरिये को बयां करती है। अटलांटिक के एक तरफ दक्षिणपंथी बहुत नीचे से आने वाली फुसफुसाहटों को सुनते हैं, तो दूसरी तरफ रूढ़िवादियों ने जनादेश को बर्बाद करने की कला में महारत हासिल कर ली है, जिसे ब्रेग्जिट वोट में बेहद दुस्साहसपूर्वक नवीनीकृत किया गया था।

फिर भी ये उदारवादी ही हैं, जो केंद्र में फंसे हैं, उन्हें अपनी घबराहट से छुटकारा पाकर राष्ट्र से संवाद करना सीखने की जरूरत है। उनके पास खोने के लिए कुछ नहीं है, सिवाय अपनी अप्रमाणिक दलीलों के।

सेंसर बोर्ड से यू/ए सर्टिफिकेट के साथ पास हुई इश्क विश्क रिबाउंड!

सीबीएफसी ने किए दो बदलाव

रोहित सराफ और पश्मीना रोशन की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म इश्क विश्क रिबाउंड का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। दर्शक इस रोमांटिक ड्रामा को पर्दे पर देखने के लिए बेताब हो रहे हैं। यह फिल्म 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म को सीबीएफसी यानी कि सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन द्वारा यू/ए सर्टिफिकेट मिल गया है। इससे ये साफ हो गया है कि ये पारिवारिक ड्रामा फिल्म है। हालांकि, बोर्ड ने सर्टिफिकेट देने से पहले इसमें दो बड़े बदलाव सुझाए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सीबीएफसी ने दो बड़े बदलावों के साथ सर्टिफिकेट जारी किया है। इसमें सबसे पहले सीबीएफसी की जांच समिति ने निर्माताओं से अश्लील सीन को ब्लर करने के लिए कहा है। वहीं, दूसरा निर्देश ये है कि शराब से संबंधित सभी सीन में स्क्रीन के नीचे शराब पीने पर एक अस्वीकरण प्रदर्शित किया जाना चाहिए। रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म की स्क्रीन टाइमिंग सर्टिफिकेट पर 106 बताई गई है। यानी कि इश्क विश्क रिबाउंड सिर्फ एक घंटा 46 मिनट की फिल्म होगी। इसके साथ ही इश्क विश्क रिबाउंड लंबे वक्त बाद सबसे छोटी हिंदी फिल्म बन गई है। इसमें रोहित सराफ, पश्मीना रोशन के साथ जिबरान खान और नैला ग्रेवाल जैसे चेहरे भी नजर आएंगे। दर्शकों को फिल्म का ट्रेलर काफी पसंद आया।शाहिद कपूर की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म इश्क विश्क 21 साल पहले सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में अमृता राव और शेनाज ट्रेजरी भी नजर आई थीं। 2003 में आई ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी। इतने वर्षों बाद इश्क विश्क रिबाउंड आ रही है। इसमें इश्क विश्क के इश्क विश्क प्यार व्यार और चोट दिल पे लगी जैसे ट्रैक भी थोड़े बदलाव के साथ लाए गए हैं। फिल्म का ट्रेलर एक हफ्ते पहले ही रिलीज किया गया, जिसे दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है। इश्क विश्क रिबाउंड का ट्रेलर हमें जेन जेड ट्विस्ट के साथ मॉडर्न लव की दुनिया में ले जाता है। फिल्म में मुख्य कलाकार कॉलेज के छात्रों की भूमिका में हैं, जो इमोशनल, रोमांस, सची दोस्ती और धोखे से जूझते हैं।

लगातार घटती जा रही चंदू चैंपियन की कमाई ऐसा रहा मुंजा-मिस्टर एंड मिसेज माही का हाल

चंदू चैंपियन इन दिनों सिनेमाघरों में प्रदर्शित हो रही है। उम्मीद जताई जा रही है थी बॉक्स ऑफिस का सूखा यह फिल्म खत्म कर देगी, लेकिन यह फिल्म अपने बजट के हिसाब से कमाई नहीं कर पा रही है। फिल्म के कलेक्शन के आकंड़े उत्साहजनक नहीं कहे जा सकते। वहीं, मुंजा टिकट खिड़की पर ठीक ठाक प्रदर्शन करने में सफल रही है। इन दोनों फिल्मों के अलावा मिस्टर और मिसेज माही सिनेमाघरों को अलविदा कहने के लिए तैयार नजर आ रही है। आइए जानते हैं कि कौन सी फिल्म ने मंगलवार को कितनी कमाई की।

चंदू चैंपियन चंदू चैंपियन में कार्तिक आर्यन मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म का निर्देशन एक था टाइगर और बजरंगी भाईजान जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म बना चुके कबीर खान ने किया है। हालांकि, उनकी पिछली फिल्म 83 बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप साबित हुई थी। इस फिल्म के बाद कबीर चंदू चैंपियन लेकर आए हैं, लेकिन यह फिल्म भी कलेक्शन के मामले में काफी कमजोर नजर आ रही है।

सोमवार को इस फिल्म की कमाई रविवार के मुकाबले 48.72 फीसदी कम हुई। चौथे दिन फिल्म ने महज पांच करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। वहीं, ताजा आंकड़ों के अनुसार पांचवें दिन इस फिल्म ने तीन करोड़ 16 लाख रुपये बटोरे। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 29.67 करोड़ रुपये हो गई है।

अभय वर्मा और शरवरी वाघ अभिनीत फिल्म मुंजा लोगों पर अपना जादू चलाने में सफल हो गई है। इस फिल्म के कमाई के आंकड़े बजट के हिसाब से संतोषजनक माने जा सकते हैं। पहले हफ्ते में इस फिल्म ने 35.3 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। वहीं, दूसरे हफ्ते में भी बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की पकड़ बरकरार है। 12वें दिन इस फिल्म ने तीन करोड़ 31 लाख रुपये का कलेक्शन किया है। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 62.37 करोड़ रुपये हो गई है।

मिस्टर एंड मिसेज माही राजकुमार राव और जान्हवी कपूर की फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही की कमाई की रफ्तार लगातार धीमी होती चली जा रही है। 19वें दिन फिल्म ने महज 24 लाख रुपये का कलेक्शन किया। फिल्म पर अब फ्लॉप होने का खतरा मंडराने लगा है।

श्रद्धा ने राहुल मोदी के साथ किया रिश्ता कंफर्म

सोशल मीडिया पोस्ट से चर्चा में आईं अभिनेत्री

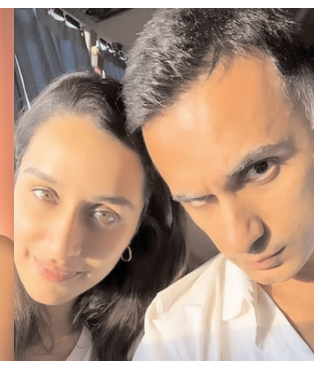

श्रद्धा कपूर हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की जानी मानी अभिनेत्री हैं। अब तक कई सुपरहिट फिल्मों में काम कर चुकी अभिनेत्री, सोशल मीडिया पर काफी यादा सक्रिय रहती हैं। वह अक्सर अपनी दिल की बातें फैंस के साथ साझा किया करती हैं। श्रद्धा इन दिनों एक बार फिर से सुर्खियों में हैं। इस बार वह अपनी किसी फिल्म की वजह से नहीं, बल्कि निजी जिंदगी की वजह से चर्चा में हैं। पिछले कुछ दिनों से कई मीडिया रिपोर्ट्स में यह कहा जा रहा है कि वह कथित रूप से तू झूठी मैं मक्कार के लेखक राहुल मोदी को डेट कर रही हैं। दोनों की तरफ से इस बात की आधारिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन हाल ही में श्रद्धा कपूर ने सोशल मीडिया पर कुछ ऐसा पोस्ट किया है, जिससे एक बार फिर से कयासों का दौर शुरू हो गया है। दरअसल, श्रद्धा ने इंस्टाग्राम पर राहुल के साथ एक सेल्फी पोस्ट की है। इसके साथ उन्होंने दिल छू लेने वाला कैप्शन भी लिखा है। तस्वीर के साथ श्रद्धा ने लिखा, दिल रख ले...नींद तो वापस दे दे यार। यह पहला मौका है जब अभिनेत्री राहुल के लिए सार्वजनिक तौर पर ऐसा कुछ पोस्ट किया है। इस साल की शुरुआत में दोनों के अफेयर की खबरों ने सुर्खियां बटोरीं। कई मौकों पर दोनों को एक साथ भी देखा गया। वहीं, अभिनेत्री को गले में एक चेन पहने हुए भी देखा गया, जिस पर पहला अक्षर आर लिखा था, जिससे यह अनुमान लगाया गया कि यह उन्हें राहुल ने उपहार में दी होगी। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो श्रद्धा की मुलाकात राहुल से फिल्म तू झूठी मैं मक्कार के दौरान हुई। तब वह इस फिल्म से लेखक के तौर पर जुड़े हुए थे। कथित तौर पर साथ काम करते हुए दोनों एक-दूसरे को जानने लगे और प्यार हो गया। राहुल प्यार का पंचनामा 2, सोनू के टीटू की स्वीटी जैसी फिल्मों में भी काम कर चुके हैं। इस जोड़े को पहली बार 2023 में डिनर डेट के बाद एक साथ देखा गया था।

कार्तिक की चंदू चैंपियन को देख भावुक हुए कपिल

बोले- यह सिर्फ स्पोर्ट्स फिल्म नहीं है एक इमोशन है

कबीर खान की बहुचर्चित फिल्म चंदू चैंपियन हाल ही में सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन अहम भूमिका निभाते नजर आ रहे हैं। दर्शकों को कार्तिक की यह फिल्म काफी पसंद आ रही है। कार्तिक आर्यन ने चंदू चैंपियन की भूमिका में शानदार अभिनय किया है। वहीं कल पूर्व क्रिकेटर कपिल देव ने इस फिल्म को देखने के बाद अपने इंस्टाग्राम हैंडल से एक पोस्ट साझ करते हुए इस फिल्म की काफी तारीफ की है।

चंदू चैंपियन देख कपिल देव रोए

पूर्व भारतीय क्रिकेटर कपिल देव को चंदू चैंपियन बेहद पसंद आई है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल से पोस्ट साझा करते हुए लिखा है, आप चंदू चैंपियन को देखना मिस नहीं कर सकते हैं। यह एक शानदार फिल्म है। मैं इस फिल्म को देखते हुए कई बार रोया, हंसा और गर्व महसूस किया। मैं बता नहीं सकता हूं कि इस फिल्म को देखने के बाद मैं क्या महसूस कर रहा हूं। इस फिल्म की कहानी जबरदस्त है। सिर्फ स्पोर्ट्स फिल्म नहीं है चंदू चैंपियन

कपिल देव अपनी बात जारी रखते हुए लिखते हैं, मुझे स्पोर्ट्स फिल्में देखना बहुत पसंद है और मैं उनकी सराहना करता हूं, लेकिन यह फिल्म सिर्फ एक स्पोर्ट्स फिल्म नहीं है। कार्तिक की यह फिल्म एक इमोशन है। आप इसे देखते हुए कब इस फिल्म से जुड़ जाएंगे आपको पता ही नहीं चलेगा। कबीर खान एक बेहतरीन फिल्म का निर्माण किया है। कार्तिक आर्यन ने किया कमाल का अभिनय

कबीर खान के निर्देशन में बनी फिल्म चंदू चैंपियन मुरलीकांत पेटकर की बायोपिक है। कपिल देव ने फिल्म के कास्ट और क्रू की भी जमकर तारीफ की है। कपिल लिखते हैं, कार्तिक आर्यन ने चंदू चैंपियन में कमाल का काम किया है। वे टैलेंट के पॉवरहॉउस है। फिल्म की पूरी कास्ट और क्रू को बधाई कि आपने हमें यह फिल्म दिया। अब सब चैंपियन हैं।

संजय गुप्ता ने उड़ाई बॉलीवुड की धज्जियां

बोले ये ओटीटी राइट्स की कीमत बढ़ाने का फर्जीवाड़ा

बॉलीवुड इंडस्ट्री के अनुभवी फिल्म निर्माता संजय गुप्ता सम-सामयिक मुद्दों पर अपने विचार रखने से कभी नहीं कतराते हैं। संजय, इंडस्ट्री के कुछ सितारों पर भी अपनी बयानबाजी से सुर्खियां बटोर चुके हैं। अब फिल्म निर्माता ने एक टिकट खरीदें और एक मुफ्त पाएं ऑफर पर अपने विचार साझा किए हैं। संजय ने इसे बकवास करार दिया है। साथ ही उन्होंने सितारों की बढ़ती फीस पर भी अपने बयान से हर किसी का खासा ध्यान आकर्षित किया है। एक टिकट खरीदें और एक मुफ्त पाएं यह ऑफर आजकल दर्शकों को काफी लुभा रहा है। फिल्म निर्माता दर्शकों को सिनेमाघरों तक लाने के लिए बीओजीओ ऑफर को प्रमुखता दे रहे हैं। जानकारी हो कि इसे सबसे पहले विक्की कौशल और सारा अली खान अभिनीत फिल्म जरा हटके जरा बचके (2023) के लिए लागू किया गया था। निर्माताओं को इसका लाभ भी हुआ और फिल्म ने उम्मीद से यादा की कमाई कर ली। इसी सूची में एक नाम अनुभवी फिल्म निर्माता संजय गुप्ता का भी जुड़ गया है। निर्माता इस ऑफर को हानिकारक बताते हुए ऐसी योजनाओं को लागू करने वालों पर बिफरते नजर आए हैं।

बॉलीवुड हंगामा के साथ एक इंटरव्यू में अनुभवी फिल्म निर्माता ने इसे बकवास कहा। साथ ही अपनी बात में जोड़ा, यह कलेक्शन बढ़ाने का एक तरीका है ताकि जब आप ओटीटी प्लेटफॉर्म के साथ बातचीत करने बैठें तो आप उन्हें बता सकें कि देखो मेरी फिल्म ने बहुत कमाई की। संजय ने आगे कहा, बाय वन गेट वन ऑफर में प्रोड्यूसर का शेयर क्या आता है? क्या यह उद्देश्य को विफल नहीं करता? थिएटर मालिक अपना पैसा कमाता है जबकि निर्माता पैसा खो देता है। तो ये करके क्या मतलब हुआ? संजय गुप्ता ने साझा किया कि दर्शकों को इसकी आदत हो जाएगी और वे योजना के लागू होने का इंतजार करेंगे। इस प्रक्रिया में, वे फिल्म देखना छोड़ सकते हैं और इसलिए निर्माता संभावित दर्शकों को खो देंगे। संजय ने जोड़ा, और हम सिनेमा जाने वाले दर्शकों में ऐसी आदतें क्यों डालते हैं? पहले सप्ताह में दर्शकों ने फिल्म देखने के लिए पूरी कीमत चुकाई। दूसरे हफ्ते में दर्शकों को हर टिकट पर एक टिकट मुफ्त मिल सकता है।

कन्नड़ फिल्म आनंद से की करियर की शुरूआत, विलेन के किरदार से आशीष विद्यार्थी को मिली पहचान

बॉलीवुड के प्रसिद्ध अभिनेता आशीष विद्यार्थी आज अपना 62वां जन्मदिन मना रहे हैं। आशिष ने कई फिल्मों में बेहतरीन अभिनय से दर्शकों का मनोरंजन किया है। विलेन की बात हो तो इनमें अभिनेता आशीष विद्यार्थी का नाम भी शामिल है, जो फिल्मों में अपने दमदार अभिनय से किरदार में जान फूंक देने का काम करते हैं। आशीष ने ना सिर्फ हिंदी फिल्मों मे काम किया बल्कि तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और बंगाली भाषा में भी कई फिल्मों में काम किया। यादातर फिल्मों में अभिनेता आशीष विद्यार्थी ने विलन की ही भूमिका निभाई है। आशीष ने हिंदी सिनेमा से लेकर साउथ सिनेमा तक अपनी पहचान बनाई, उनकी फिल्म द्रोखला के लिए उन्हें फिल्मफेयर के पुरुस्कार से सम्मानित किया गया। आज इस खास मौके पर जानिए उनकी जिंदगी से जुड़ी कुछ रोचक बातें। आशीष विद्यार्थी हिन्दी फिल्मों के एक जाने-माने अभिनेता हैं। उन्होंने 11 अलग-अलग भाषाओं में काम करने के लिए जाना जाता है। इनमें हिन्दी, तमिल, कन्नड़, मलयालम, तेलुगु, बंगाली, अंग्रेजी, ओड़िया, मराठी सिनेमा शामिल है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो आशिष ने 300 से अधिक फिल्मों में 11 भाषाओं में काम किया है। आशीष ने सरदार वल्लभाई पटेल के जीवन पर आधारित अपनी पहली फिल्म सरदार में वी. पी. मेनन की भूमिका निभाई। हालांकि, उनकी पहली रिलीज द्रोहकाल थी, जिसके लिए उन्होंने 1995 में सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता। आशिष को फिल्म 1942= ए लव स्टोरी में आशुतोष के रूप में अपनी भूमिका के लिए भी प्रसिद्धी मिली। आशिष ने साल 2001 में राजोशी विद्यार्थी उर्फ पीलू से शादी की थी। इन दोनों का एक बेटा भी है, जिसका नाम अर्थ है। इसके बाद इन दोनों का 2022 में तलाक हो गया था। आशिष ने 60 की उम्र में असम की रहने वालीं रुपाली बारुआ से 2023 में शादी रचाई थी। हालांकि दूसरी शादी के बाद आशिष को कई बार सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया था। अभिनेता आशीष विद्यार्थी को सभी लोग विलेन के किरदार के लिए जानते हैं। उनके विलेन के किरदार ने आशीष की एक अलग पहचान बनाई। आशिष बॉलीवुड के बेहतरीन खलनायकों की लिस्ट में शुमार है। उनके नाकारात्मक किरदार को लोगों ने खूब पसंद किया। फिल्मों के अलावा उन्होंने टेलीविजन में भी कई शोज किए। सिनेमा जगत के सबसे खूंखार खलयानकों में से एक आशीष विद्यार्थी अपनी जबरदस्त एक्टिंग के लिए खूब तारीफें बटोरते रहे हैं। उन्होंने कई फिल्मों में विलेन का किरदार निभाया तो कुछ में पॉजिटिव रोल में भी नजर आए। बिछू, जिद्दी और कई बॉलीवुड फिल्मों में विलेन की भूमिका निभाकर मशहूर हुए। आशीष विद्यार्थी ने अपने सिने करियर की शुरुआत कन्नड़ फिल्म आनंद से की थी। साल 1991 में उन्हें फिल्म काल संध्या से बॉलीवुड में ब्रेक मिला। इसी फिल्म के बाद अभिनेता आशीष विद्यार्थी ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। इसके बाद आशीष विद्यार्थी ने 1942= अ लव स्टोरी, सरदार, बिछू, द्रोखला, बर्फी और बाजी जैसी कई फिल्मों में काम किया है। अभिनेता आशीष विद्यार्थी का जन्म केरल के कुन्नूर में हुआ था, उनके पिता गोविन्द विद्यार्थी एक मलयाली आर्टिस्ट हैं और उनकी माता राबी एक मशहूर कत्थक डांसर थीं। अभिनेता ने अपनी शुरूआती पढ़ाई कुन्नूर केरला से ही की थी, लेकिन साल 1969 में वो दिल्ली आ गए और वहीं से आशीष विद्यार्थी ने आगे की पढ़ाई पूरी की। इस एक्टर के फिल्मी करियर की शुरुआत थिएटर हुई थी। बता दें कि एक समय में इस अभिनेता ने दिल्ली में थिएटर करते हुए खूब नाम कमाया।

जनसुनवाई में 325 से भी अधिक आवेदक आये

दिव्यांगजन की विशेष जनसुनवाई में 20 से भी अधिक आवेदन प्राप्त

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ।

दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा इस बार से रेगुलर जनसुनवाई के साथ-साथ थीम बेस्ड जनसुनवाई भी शुरू करने का एक प्रयोग किया है, इसमें अन्य आवेदनों के साथ-साथ दिव्यांगजनों को विशेष रूप से बुलाया गया था, ताकि यदि उनकी कोई समस्या हो, उनकी कोई शिकायतें हो तो उनका निराकरण किया जा सके।

कलेक्टर ने कहा आज के इस दिव्यांगजन की विशेष जनसुनवाई में 20 से भी अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिसमें से कुछ लोगों को तत्काल उनकी पात्रता के अनुसार श्रवण यंत्र और अन्य उपकरण प्रदान किए हैं और कुछ के केसेस स्वीकृत होते ही उन्हें उपकरण प्रदान कर दिए जाएंगे। इसके अलावा ओवरऑल जनसुनवाई में 325 से भी अधिक आवेदक आए हैं, पिछली बार इनकी संख्या 276 थी, इस जनसुनवाई में यह बढ़कर 325 हो गई है। आगे भी इसी तरह से थीम बेस्ड जनसुनवाई साथ में की जायेगी, ताकि एक पार्टिकुलर सेक्शन, एक पार्टिकुलर क्षेत्र के लोगों को भी इसका लाभ मिलता रहे जैसे पेंशनर, वरिष्ठ नागरिक, अलग-अलग ग्रुप, स्कीम वाइस भी हो सकता है, इसमें अलग-अलग तरीके से सोचेंगे और कोशिश करेंगे कि इस तरह की एक थीम बेस्ड जनसुनवाई साथ में हो।

जिले की अंतिम सीमा के छोर पर बसे आदिवासी वनांचल स्थित वनग्राम पहुंचे कलेक्टर

ग्रामीणों की समस्याएं सुन कर, अधिकारियो को हल करने के निर्देश दिए

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ ।

दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर सुबह की पहली किरण होते ही पहाड़ी दुर्गम मार्ग से होते हुए जिले की जनपद पंचायत जबेरा के अंतिम छोर पर कटनी जिले की सीमा से लगे दूरस्थ आदिवासी वनांचल वनग्राम बोदा मानगढ़ पहुंचे। यहां ग्रामीणों से चर्चा के दौरान उनकी समस्याओं को सुना। ग्राम बोदा मानगढ़ के निवासी कलेक्टर को अपने बीच पाकर बहुत ही खुश नजर आए। ग्रामीणों ने बताया ग्राम में आने के लिए रास्ता बहुत ही खराब है जो की पहाड़ों के बीचों बीच से हैं यहां आना-जाना बहुत मुश्किल होता है। बरसात में मिट्टी बह जाती है।आपातकालीन सेवा एम्बुलेंस सड़क न होने की कारण यहां समस्या होती। मरीज या गर्भवती को ले जाने कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।जिस पर कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने तत्काल व्यवस्था कर सड़क बनाने के लिए जनपद सीईओ रामेश्वर पटेल एवं एसडीओ शिवाजी को निर्देशित किया। ग्रामीण ने बताया कि यहां डीपी ख़राब होने से एक फेस मिलता है, पर्याप्त लाइट उपलब्ध नहीं हो पा रही है जिस पर उन्होंने विद्युत विभाग को डीपी बदलने निर्देशित किया।

ग्रामीणों ने कलेक्टर को बताया नल जल योजना के माध्यम से घर-घर पानी पहुंच गया है, इसके पूर्व में पानी उपलब्ध नहीं होता था अब पीने के लिए पानी उपलब्ध हो गया है। परंतु खेती के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं होने से खेती नहीं कर पाते हैं, यहां ग्राम में दो तालाब हैं, एक तालाब में पानी नहीं रुकता है, खेती की सिंचाई के लिए पानी की समस्या समस्या को सुनते ही कलेक्टर तालाब देखने पहुंचे और एसडीओ शिवाजी को तालाब मरम्मत के संबंध में निर्देश दिए ताकि जल का भराव हो सके।

ग्रामीणों ने बताया बोदा मानगढ़ में दो तालाब वर्षों से क्षतिग्रस्त है तालाबों की मरम्मत का मांगपत्र ग्रामीणों ने कलेक्टर को दिया है जिसमें ग्रामीणों ने बताया वर्ष 2001 फॉरेस्ट विभाग के द्वारा एक तालाब का निर्माण किया गया था जिसका बेस्ट बीयर खराब है और तालाब में बारिश का पानी नहीं रुक पाता है उसी के ऊपर 3 वर्ष पहले ग्राम पंचायत के द्वारा दूसरा तालाब निर्माण करवाया गया था तालाब में पानी के रिसाव समस्या से वारिश का पानी नहीं रुकता है। निस्तार के लिए ग्रामीणों ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नवीन तालाब निर्माण की मांग की है

जमुनहा खड्डू नाला में नवीन तालाब निर्माण के लिए तीन वर्ष से फाइल एनओसी के लिए वन विभाग के पास लंबित है लेकिन एनओसी नहीं मिलने की वजह से नवीन तालाब निर्माण कार्य नहीं हो पा रहा है।

घाटी का जायजा लिया कलेक्टर ने पैदल चलकर दुर्गम घाटी मार्ग का भी जायजा लिया और जल्द से जल्द सड़क बनाने के लिए अधिकारियो को समुचित दिशा निर्देश दिए।

नर्सिंग ऑफिसर एसोसिएशन सिविल सर्जन व्यवहार एवं कई अन्य शिकायतों को लेकर सीएमएचओ को ज्ञापन सोपा

सिविल सर्जन डॉ. यशवंत वर्मा उचित कार्यवाही की मांग की

सुनील यादव । सिटी चीफ।

कटनी, कटनी जिले के नर्सिंग ऑफिसर एसोसिएशन के द्वारा सिविल सर्जन के विरुद्ध एवं द्वेशपूर्ण व्यवहार एवं शासन प्रशासन द्वारा हड़ताल आवधि का वेतन आहरित नही किया गया जिसको लेकर एक ज्ञापन पत्र जिला चिकित्सालय के सीएमएचओ को दिया गया। नर्सिंग ऑफिसर एसोसिएशन द्वारा सीएमएचओ को ज्ञापन सौंप जिला चिकित्साय कटनी के सिविल सर्जन डॉ0 यशवंत वर्मा द्वारा मानसिक प्रताडित न करते हुये सामान्य व्यवहार सहित उचित कार्यवाही करने की मांग की है।

जिले की नर्सिंग ऑफिसर एसोसेशन की नर्सों ने बताया की वे सभी नर्सिंग ऑफिसर एसोसेशन के आवाहन पर लंबित दरा सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदेश के समस्त नर्सिंग ऑफिसरों ने 03 जुलाई 23 से चरण बध्द व दिनांक 10 जुलाई 23 से दिनांक 15 जुलाई 23 काम बंद हड़ताल की गई थी व 16 जुलाई 23 को माननीय स्वास्थ्य मंत्री चिकित्सा शिक्षा मंत्री आस्वासन के उपरान्त हड़ताल समाप्त कर दिनाक 16 जुलाई 23 को दोपहर पूर्व प्रदेश के समस्त नर्सिंग कर्मचारी काम पर लौट आये थे। परन्तु शासन प्रशासन द्वारा हड़ताल आवधि का वेतन आहरित नही किया गया व 6 दिन कि जगह 7 दिन वेतन कटा गया व हडताली नर्सिंग आफिसरों की एक वर्षीय वेतन वृध्दि आचंयी प्रभाव से रोकने के आदेश जारी कर दिये गये। परन्तु यह व्यहार द्वेशपूर्ण मात्र से जिला चिकित्सालय कि आधी नर्सिंग ऑफिसर के साथ ही किया गया था जबकि सभी कुल नर्सेस 103 में से 35 नर्सेस की सैलरी भी नही काटी गई तथा न ही इनकी वेतन वृध्दि नहीं रोकी गई तथा इन सभी नर्सेस के साइन हड़ताली अवधी पर एटेन्डेन्स रजिस्टर पर नही है किन्तु सिविल सर्जन डॉ0 यशवंत वर्मा द्वारा बोला गया है कि मेरा जिसको मन करेगा सैलरी उसी को दी जायेगी।उसके बाद NQAS के पैसों का बजट सरकार द्वारा सभी नर्सेस और आदर स्टाफ के लिये आया था परन्तु उनसे भी हम आधी नर्सेस स्टाफ को वाछिंत रखा गया तथा उन पैसों का लाभ सिर्फ सर के चहेते स्टाफ को ही दिया गया जिसमें से कुछ जिला चिकित्सालय कटनी में कार्यरत ही नही है अध्यन अवकाश पर है। उन्हे 10 हजार से 5 हजार तक की राशि दी गई है।

परीक्षा देकर लौट रहीं दो बहनों के साथ बस में मनचलों ने की छेड़खानी

पीड़ित पक्ष ने थाने में दी तहरीर, तहरीर के आधार पर जांच कर रही पुलिस

हिंदी पत्रकारिता दिवस...गौरव सिंघाल । सिटी चीफ ।

छुटमलपुर । सहारनपुर, देहरादून से यूपीएसई की परीक्षा देकर लौट रहीं दो बहनों के साथ बस में मनचलों ने छेड़खानी कर दी। युवतियों के साथ मौजूद भाई के विरोध करने पर मारपीट की गई। पीड़ित पक्ष की तरफ से थाने में तहरीर दी गई है।चिलकाना क्षेत्र की दो बहनें परीक्षा देकर अपने भाई के साथ रोडवेज बस से सहारनपुर जा रही थी। देहरादून से ही बस में सवार छुटमलपुर निवासी तीन-चार युवकों ने दोनों बहनों पर छेड़खानी शुरू कर दी। भाई ने इसका विरोध किया तो आरोपी मारपीट पर उतारू हो गए। जैसे ही बस छुटमलपुर में पुलिस चेक पोस्ट पर पहुंची तो वहां पहले से ही मनचलों के साथी लाठी-डंडे लेकर खड़े थे। जिन्होंने युवक को नीचे उतार लिया और मारपीट की। इससे वहां पर अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद हमलावर फरार हो गए। पीड़ित की सूचना पर चिलकाना से उसके परिजन मौके पर पहुंचे। इसके बाद उन्होंने थाने पहुंच कर तहरीर दी। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है।

देवबंद - रुड़की रेलमार्ग पर पुरानी लाइनों को हटाकर नए ट्रैक बिछाने का काम हुआ शुरू

छत्तीसगढ़ के भिलाई से 21 बोगी वाली मालगाड़ी नई पटरियों को लेकर पहुंची, इन पटरियों को देवबंद से न्यू रेलवे स्टेशन बन्हेड़ा खास के बीच उतारा गया

गौरव सिंघाल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर । देवबंद, देवबंद-रुड़की रेलमार्ग पर पुरानी लाइनों को हटाकर नए ट्रैक बिछाने का काम शुरू हो गया है। आज छत्तीसगढ़ के भिलाई से 21 बोगी वाली मालगाड़ी नई पटरियों को लेकर पहुंची। इन पटरियों को देवबंद से न्यू रेलवे स्टेशन बन्हेड़ा खास के बीच उतारा गया। रेलवे अधिकारियों ने 31 जुलाई तक नए रेलमार्ग पर ट्रेनों का संचालन शुरू करने का दावा किया है।दिल्ली रेल मंडल के अधिशासी अभियंता करमवीर यादव ने नई पटरियों से लदी 21 बोगी वाली ट्रेन को देवबंद स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर बन्हेड़ा स्टेशन के लिए रवाना किया। उनके साथ अधिशासी अभियंता एसपी अस्थाना, सीनियर सेक्शन इंजीनियर रविंद्र कुमार और प्रोजेक्ट मैनेजर रामपाल सिंह भी मौजूद रहे। सीनियर सेक्शन इंजीनियर रविंद्र कुमार ने बताया कि देवबंद से रुड़की तक पहले पुराना ट्रैक बिछाकर निर्माण कार्य आरंभ कर दिया गया था, लेकिन अब निर्माण कार्य लगभग 90 प्रतिशत पूरा हो चुका है। इसलिए पुराने ट्रैक को हटाकर नई रेल पटरियां डालकर ट्रैक बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि देवबंद से रुड़की तक 29 किमी के बीच में बन्हेड़ा खास और झबरेड़ा दो स्टेशन बनाए गए हैं। 19 किमी. तक रेलवे लाइन बिछाने का कार्य पूरा कर लिया गया। शेष 10 किमी कार्य को जल्द पूरा कर लिया जाएगा। क्योंकि 31 जुलाई तक इस नए ट्रैक पर ट्रेनों का संचालन आरंभ करने का लक्ष्य रखा गया है। इतना ही नहीं बिजली के खंभे लगाने का काम भी शुरू कर दिया है। देवबंद-रुड़की रूट पर ट्रेनों का संचालन आरंभ होने के बाद हरिद्वार व देहरादून जाने वाले यात्रियों को सुविधा होगी। अब तक हरिद्वार व देहरादून जाने के लिए यात्रियों को सहारनपुर या फिर टपरी स्टेशन से होकर जाना पड़ता था। अब देवबंद से सीधे रुड़की होते हुए देहरादून व हरिद्वार आदि स्टेशनों की तरफ जा सकेंगे। इससे उनके समय व किराया भी बचेगा। वहीं देवबंद क्षेत्र के लोगों को भी इसका काफी लाभ मिलेगा।

सहारनपुर में मनाई गयी निर्जला एकादश

सहारनपुर के ग्राम पदम नगली में नकुड़ - गंगोह रोड पर किया गया मीठे जल का वितरण

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर, नर सेवा ही नारायण सेवा है के तहत आज निर्जला एकादशी के उपलक्ष में ग्राम पदम नगली में नकुड़-गंगोह रोड पर मीठे जल का वितरण किया गया। युवाओं ने पूरी श्रद्धा के साथ प्रत्येक वाहन को रोक- रोककर उन्हें शीतल जल पिलाया। वैसे तो प्राचीन काल से चली आ रही परम्परा के अनुसार प्यासे को पानी पिलाना हमारे शास्त्रों में भी स्पष्ट दर्शाया गया है। परंतु ज्येष्ठ माह में मीठे पानी की छबील लगाकर लोगों को जल पिलाने का बहुत महत्व हैं।

इस अवसर पर सुरेश प्रधान, रविन्द्र प्रधान, मा0 रणधीर सिंह, नरेश चौधरी, प्रमाल चौधरी, रणधीर चौधरी, अंकित वर्मा, रोहित शर्मा,सोनू चौधरी, मोहित सैनी, सुशील चौधरी, सन्नी प्रधान, अमित चौधरी, बिचन सिंह, शेंकी चौधरी, प्रशांत शर्मा, हिमांशु शर्मा, रितिक चौधरी, अविष्कार चौधरी, वर्णित आदि मौजूद रहे।

सांसद राहुल सिंह : स्कूल चलो अभियान का उद्देश्य यह है की सभी शिक्षित बनें अच्छे से पढ़ें, पढ़कर एक नया राष्ट्र गणे

परिवार को गौरवान्वित होने का मौका मिले और ऐसे भी विद्यार्थी आगे निकलें जिनके ऊपर पूरा मध्यप्रदेश नाज करे - पूर्व वित्तमंत्री एवं विधायक जयंत मलैया

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ ।

दमोह, स्कूल चले अभियान आज पूरे प्रदेश में 18 जून से 20 जून तक चलाया जा रहा है। सरकार की मंशा साफ है की कोई भी ऐसा बच्चा ना बचे जो स्कूल ना जा पाए, उनको किसी भी प्रकार से स्कूल लाने का काम किया जाए। जैसा अभी 6 से 7 बच्चे जो पन्नी बीनने वाले परिवार के बच्चे हैं, उन्हें विद्यालय में प्रवेश कराया गया है। सी.एम. राइज स्कूल की अवधारणा यह है कि एक-एक विकासखंड में एक या दो सी.एम. राइज स्कूल खुलें और उसके आसपास के जितने स्कूल है, उन स्कूलों को इसमें मर्ज करना और जिस गांव से विद्यार्थी स्कूल आयेगा उस गांव तक उसे बस के माध्यम से लाया ले जाया जाये। इस आशय के विचार प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल ने स्कूल चलें हम अभियान के तहत आज सी.एम. राइज उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर व्यक्त किये। इस अवसर पर सांसद दमोह राहुल सिंह लोधी एवं पूर्व मंत्री एवं दमोह विधायक जयंत मलैया, नरेन्द्र बजाज, सीईओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा खासतौर पर मौजूद थे। राज्यमंत्री ने कहा सीएम राईज स्कूल ऐसी जगह पर स्कूल खुले जहां सारे खेलों की सुविधा हो, लाइब्रेरी की सुविधा हो, इंटरनेट की सुविधा हो और उसे एक ऐसे लेवल का बनाना जो प्राइवेट स्कूल से भी बेहतर हो। जिले में अंग्रेजों और कांग्रेस शासन से 2003 तक कितने स्कूल बने यह जानकारी मैं आपके सामने लाना चाहता हूं जिससे आपको पता चले कि सरकार कितना काम कर रही है। 2003 तक जिले में हायर स्कूल में कुल 28 स्कूल थे और 12 हायर सेकेंडरी स्कूल थे, कुल मिलाकर 40 स्कूल थे। 2003 से लेकर आज तक 128 हाई स्कूल है और हायर सेकेंडरी स्कूल 40 हो गए हैं। हम चाहते हैं और अच्छी पढ़ाई हो। सांसद राहुल सिंह लोधी ने कहा मध्य प्रदेश शासन की योजना स्कूल चलो अभियान का उद्देश्य यह है की सभी शिक्षित बने अच्छे से पढ़ें, पढ़कर एक नया राष्ट्र गणे, इस संकल्प को पूरा करने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में वह बच्चे जो आर्थिक रूप से संपन्न नहीं है, जो स्कूल नहीं जा सकते वह बच्चे जिन्हें पढ़ने की जिज्ञासा है, पर उनके पास व्यवस्थाएं नहीं है, शासन की योजना है कि ऐसे बच्चों को चिन्हित करना, उन वार्डो में जाना उनको और उनके माता-पिता दोनों को प्रोत्साहित करके यह बताना कि आज प्रदेश सरकार सभी वर्गों का ध्यान रखते हुए सभी को समान शिक्षा देने का काम कर रही है। उन्होंने उपस्थित शिक्षकों एवं अभिभावकों से आग्रह करते हुए कहा समय-समय पर स्कूल के कैलेंडर के अनुसार पेरेंट्स टीचर मीटिंग होती है और जो खेल के समय जो कार्यक्रम होते हैं, सभी बच्चों के साथ सहभागी बनें, बच्चों को एक अच्छा माहौल दे, तो विश्वास मानिए जो परफॉर्मेंस हम बच्चों से उम्मीद करते है, उससे बेहतर परफॉर्मेंस करेंगे। सांसद राहुल सिंह लोधी ने कहा कई बार दसवीं और बारहवीं का जब रिजल्ट आता है तो कई बच्चे ऐसे हैं ,जो तय मापदंड के अनुसार अंक नहीं ला पाते हैं, जिससे वह हताश हो जाते हैं और कई बार बहुत बड़े-बड़े कदम उठा लेते हैं। जीवन में कई बार हार-जीत सफलता-असफलता लगी रहती है पर अच्छा व्यक्ति, अच्छा विद्यार्थी वहीं है जो निरंतर प्रयास करतें रहें, क्योंकि निरंतर प्रयास करने वाले को एक न एक दिन सफलता मिलती ही है। इस मूल मंत्र को इस लक्ष्य को लेकर यदि हम काम करेंगे तो जीवन में हम हमेशा सफल होंगे। पूर्व वित्त मंत्री एवं दमोह विधायक जयंत मलैया ने स्कूल चलें हम अभियान कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं को बहुत-बहुत शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद देते हुए कहा सभी छात्र-छात्राएं खूब पढ़े-लिखे, खूब खेलें, माता-पिता अपने बच्चों का सर्वांगीण विकास करें, जिससे बच्चे आगे चलकर कुछ बनें, उन्हें अपने ऊपर गर्व होना चाहिये, परिवार को गौरवान्वित होने का मौका मिले और ऐसे भी विद्यार्थी आगे निकलें जिनके ऊपर पूरा मध्य प्रदेश नाज कर सके। उन्होंने कहा विद्यार्थियों के लिए जो कुछ भी बन सकेगा हम सभी मिलकर करेंगे, हमने कुछ बातें तय की है वह आगे जाकर करेंगे। उन्होंने कहा सभी बच्चों की काउंसलिंग होना जरूरी है, खास तौर से 9 वीं, 10 वीं और 11वीं के जो विद्यार्थी हैं उनकी काउंसलिंग के लिए उन्हें बुलाएं, वे किस परिवार से हैं, उनके परिवार की क्या क्षमता है, विद्यार्थी क्या बनना चाहते हैं, क्या करना चाहते हैं और उसके हिसाब से उनका विकास करने का मौका मिल सके। इस दौरान पर जिला शिक्षा अधिकारी एस.के.नेमा, सी.एम. राइज स्कूल के प्राचार्य आर.पी. कुर्मी ने भी अपने विचार व्यक्त किये। विद्यालय की उपलब्धियां और सफलताओं के प्रतिवेदन का वाचन प्राचार्य आरपी कुर्मी द्वारा किया गया। विद्यालय की प्रयोगशाला, पुस्तकालय, जैविक खाद, अपशिष्ट प्रबंधन की प्रशंसा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं अतिथियों द्वारा की गई और पुस्तक वितरण के साथ मध्यान्ह भोजन में भी अतिथि सम्मिलित हुए। उल्लेखनीय है जिला शिक्षा विभाग दमोह के अधिकारियों के विशेष प्रयासों से अप्रवेशी शाला त्यागी घुमंतू करने बच्चों को भी मुख्य धारा से जोड़ते हुए विद्यालय में प्रवेश कराया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की मूर्ति पर मल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्जवलित कर किया गया। छात्र-छात्राओं के प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में उपस्थित समस्त जनप्रतिनिधियों द्वारा छात्र-छात्राओं को तिलक लगाकर एवं पुष्पमाला पहनाकर पुस्तकों का वितरण किया गया। इसके साथ ही विद्यार्थियों के अभिभावकों को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन विपिन चौबे और आभार प्रदर्शन डॉ.आलोक सोनवलकर द्वारा किया गया।

गली-गली भारत योग की मशाल गोविंद विहार वासियों ने लिया योग संकल्प

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ । सहारनपुर, योग दिवस से 100 दिन पहले भारतयोग शिविर श्रृंखला शुरू करने की को मशाल मोक्षायतन योग संस्थान ने जलाई थी वह आज गोविन्द विहार तक पहुंची यहां उसका संचालन मोक्षायतन के वरिष्ठ साधक गण भारत योगी नंदकिशोर शर्मा, डॉक्टर रामकेवल यादव, दीक्षा यादव ने एक दिवसीय योगसत्र के रूप में किया। योग सत्र का शुभारंभ पूर्व पार्षद प्रमोद चौधरी, अमेठी से आए ओमकारनाथ यादव, इंदरपाल सिंह चौहान,श्री मति सुषमा चौहान ने दीपक जलाकर शंख ध्वनि व वेद मंत्रों के साथ किया। सत्र में आस- पास के बच्चों महिलाओं और पुरुषों ने बड़ी रुचि के साथ भाग लिया। भारत योगी आचार्य नंद किशोर शर्मा ने वेद मंत्र की प्रार्थना की और ?

तथा शंख ध्वनि के साथ अपनी सहयोगी दीक्षा यादव के द्वारा कुछ योगासन कुछ यौगिक क्रियाएं तथा प्राणायाम कराकर साधकों को इनका महत्व समझाया। मोक्षायतन योग संस्थान द्वारा प्रारंभ किए गए भिक्षाटन अभियान के अंतर्गत शिविर में शामिल लोगों से पांच भिक्षा भी मांगी गई। जिनमें प्रात: ब्रह्ममूर्त जगना, माता-पिता गुरु चरण वंदन, योगाभ्यास, स्वाध्याय, सात्विक आहार और नशा आदि व्यसनों से मुक्ति शामिल हैं। साधकों ने अपने हाथ उठाकर ऐसा करने की शपथ ली। डा आर के यादव ने अंतर्राष्ट्रीय योगगुरु पद्मश्री स्वामी भारत भूषण का संदेश दोहराया कि योग साधना केवल सुबह करने की कसरत मात्र नहीं, भारत का योगाभ्यास तो किसी भी समय किया जा सकता है, यहां तक कि सोते हुए भी। उन्होंने कहा कि योग निद्रा का तो अलग ही आनंद और बड़ा महत्व है। सहारनपुर योग स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एन के शर्मा ने कहा कि योग को अंधी दौड़ तक सीमित करना समझदारी नहीं, इसे ठीक से समझने की जरूरत है। केवल आसन व्यायाम तक सीमित न समझकर इसे सोच और आचरण में भी ढालना है। कार्यक्रम में साहब सिंह पुंडीर, डॉक्टर त्यागी, मोती यादव, नीलम शर्मा, पुष्पा धीमान, मुकेश चौहान, अभिषेक ठकराल, राकेश त्यागी, ऋद्धि, सिद्धि आदि उपस्थित रहे। डा यादव ने सभी लोगों से 21 जून प्रात- 6 बजे कंपनी बाग में गुरु स्वामी भारत भूषण के सान्निध्य में हो रहे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के सामूहिक योगाभ्यास में पहुंचकर योग के सही स्वरूप से लाभान्वित होने का आग्रह भी किया।

जिले की हाई/हायर सेकेण्डरी स्कूलों में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोजित हुआ प्रवेश उत्सव कार्यक्रम

देवास देवास जिले के 183 हाई/हायर सेकेण्डरी स्कूलों में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में स्कूल चलें हम अभियान के तहत प्रवेश उत्सव कार्यक्रम का आयोजन हुआ। विद्यार्थियों को तिलक लगाकर और माला पहनाकर स्वागत किया गया और कक्षाओं में प्रवेश दिया गया। शासकीय उ.मा.वि. करनावद में विधायक बागली मुरली भंवरा की उपस्थिति में प्रवेश उत्सव सम्पन्न हुआ, शासकीय कन्या उ.मा.वि. खातेगांव में विधायक खातेगांव पंडित अशीष शर्मा की उपस्थिति में प्रवेश उत्सव सम्पन्न हुआ। शासकीय नूतन उच्चत्तर माध्यमिक

विद्यालय देवास में महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल की उपस्थिति में प्रवेश उत्सव सम्पन्न हुआ। इसी प्रकार जिले के अन्य स्कूलों में भी जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में प्रवेश उत्सव सम्पन्न हुआ। प्रवेश उत्सव कार्यक्रम की मॉनिटरिंग के लिए संयुक्त संचालक लोक शिक्षण संभाग उज्जैन रमा नाहटे, सहायक संचालक हिमानी लोधवाल, सहायक संचालक क्रीडा रामसिंह बनिहार एवं अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक ओ.पी.दुबे, के द्वारा शासकीय उ.मा.वि.सिंगावदा, कन्या उ.मा.वि.चिमनाबाई, कन्या उ.मा.वि.राधाबाई एवं शासकीय नूतन उ.मा.वि.देवास का निरीक्षण किया गया।

स्व. अनिल के नेत्र दान किए

गीताभवन न्यास समिति के प्रयासों से 481 वाँ नेत्रदान हुवा

देवास स्व श्रेणिकमॉल, विजय कुमार, अशोक कुमार बुडावनवाला के छोटे भाई श्री अनिल बुड़ावनवाला का विगत सोमवार को आकस्मिक निधन हो गया । प्रात: अनिल जी इन्दौर जाने के लिए स्नान कर तैयार हुए इसी बीच एक दम उनकी तबीयत बिगड़ी तो परिजन उन्है तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने उन्हें हार्ट अटैक के चलते मृत घोषित किया । अनिल जी के दिवंगत होने की सूचना नगर में आग की तरह फैल गई और नगर में शोक छा गया। शौक की इस घड़ी में भी परिवार की नेत्रदान की भावना बनी रही

अजय पगारिया व निलेश मेहता जावरा की सूचना पर उनके निवास पर गीता भवन न्यास समिति बड़नगर की टीम के

साथ खाचरोद पहुंचकर डॉक्टर ददरवाल ने सहयोगी मोहनलाल राठौर के साथ मिलकर कार्निया निकाले और उसे प्रिजर्व किया । बहुत जल्द दो व्यक्तियों को जीवन में नेत्र ज्योति मिलेगी । एक तरफ जहां नेत्रदान को लेकर लोग जागरूक हुए हैं वहीं अब युवा भी इससे जुड़ रहे हैं । डॉ. ददरवाल ने संस्था की ओर से परिवार को नेत्र दान का शर्टिफिकेट प्रदान किया । इसके बाद कबाडीपुरा स्थित उनके निवास से अंतिमयात्रा निकली, जो शहर के प्रमुख मार्गो से होती हुई शांतिवन पहुंची । यहां उनकी तीनों पुत्रियों वैशाली, शैली व एंजल के साथ परिवारजनों ने मुखाग्नि दी ! अंतिमयात्रा में कई गणमान्य नागरिकों ने शामिल होकर श्रद्धांजलि अर्पित की ।

स्कूल चले हम अभियान.....

छात्र, छात्राओं को अपना लक्ष्य निर्धारित कर आज से ही अध्ययन कार्य प्रारम्भ करें -तरुण जैन अनुविभागीय अधिकारी.

झाबुआ थांदला

छात्राये आंतरिक अनुशासन, मन पर नियंत्रण रख व्यवहार मे सदाचार अपनाने का प्रयास करें -श्रीमती लक्ष्मी सुनील पणदा अध्यक्ष नगर परिषद थांदला.

पालक भी समझें अपनी जिम्मेदारी -श्रीमती संगीता सोनी प्रदेश मंत्री भाजपा

पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय थांदला स्कूल चले हम अभियान के अंतर्गत प्रथम चरण दिनांक 18/ 6/ 2024 से दिनांक 20/ 6/.2024 के अंतर्गत आज प्रवेश उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया ।सर्व प्रथम माँ सरस्वती क़े चित्र पर समस्त अतिथियों द्वारा माल्यार्पण किया गया.कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि अनुविभागीय अधिकारी राजस्व तरूण जैन कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी सुनील पणदा विशेष अतिथि भाजपा प्रदेश मंत्री श्रीमती संगीता सोनी, जिला योजना समिति सदस्य एवं पार्षद भूमिका आशीष सोनी, युवा नेता संजय भाबर, मंडल अध्यक्ष रोहित बैरागी एवं पार्षद धापू बाई वसुनिया थी। इस अवसर पर अनुविभाग के अधिकारी तरुण जैन ने दृष्टांत के माध्यम से छात्राओं को जीवन मे शिक्षा का महत्व बताते हुवे शाला मे नियमित रूप से उपस्थित रहकर अध्ययन हेतु प्रेरित किया जिसमें पालकगण, जनप्रतिनिधियों, शिक्षक एवं छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया.

श्री जैन ने छात्राओं को सम्बोधित करते हुवे कहा की छात्र, छात्राओं को अपना लक्ष्य निर्धारित कर आज से ही अध्ययन कार्य प्रारम्भ करें.

कार्यक्रम को तेज तराट महिला नेत्री संगीता सोनी ने अपने उद्बोधन मे कहा की पीएम श्री विद्यालय नगर का गौरव है यहां छात्राओं की दर्ज संख्या सर्वाधिक हो कर अनुसाषित विद्यालय की श्रेणी मे आता है श्रीमती सोनी ने कहा की पालक गण भी अपनी जिम्मेदारी समझें इसके अतिरिक्त नागरिकों, को भी जागरूक हो कर प्रवेश उत्सव की जानकारी हर घर को होना चाहिये कार्यक्रम को नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी पणदा ने अपने आत्मीय उद्बोधन मे कहा की छात्राये आंतरिक अनुशासन, मन पर नियंत्रण रख व्यवहार मे सदाचार अपनाने का प्रयास करें.

स्मरण रहे की प्रदेश मे आज से नये शिक्षा सत्र का आगाज़ हो चूका है प्रवेश उत्सव कार्यक्रम क़े तहत आज छात्राओं को तिलक लगा कर स्वागत किया गया व पुस्तक़े वितरित की गई संस्था प्राचार्य मंगल सिँह नायक द्वारा समस्त अतिथियों का पुष्प गुच्छ से स्वागत कर विद्यालय की संक्षिप्त जानकारी से अवगत कराया इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टॉफ और छात्राएं उपस्थित रही.कार्यक्रम का संचालन श्रीमती संजू त्रिपाठी ने एवं आभार अब्दुल कादिर ने माना.

कलेक्टर ने किया डीएसआर विधि से धान की बुआई का निरीक्षण

मंडला कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने मोहगाँव क्षेत्र के देवगांव, मोहगांव माल, करेगांव एवं चाबी का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने देवगांव में डीएसआर विधि से धान की बुआई करने वाली किसान अनुसुइया मरावी के खेत का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बोनी, खाद, गोबर खाद, सिंचाई के संसाधन की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने नवीन पद्धति का उपयोग करते हुए बुआई करने की अपील की। महिला कृषक से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि रासायनिक खाद के उपयोग के बदले जैविक खाद का इस्तेमाल करें। इस विधि से बुआई करने पर कम खर्च और कम पानी में अच्छी पैदावार की जा सकती है। इस दौरान एसडीएम घुघरी सीएल वर्मा, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी आरके मंडाले सहित संबंधित उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवसः बहतराई स्टेडियम में होगा जिला स्तरीय कार्यक्रम

केन्द्रीय शहरी विकास राज्य मंत्री श्री तोखन साहू होंगे मुख्य अतिथि

जिले में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने की तैयारियां जोर-शोर से चल रही है। इस सिलसिले में कलेक्टर श्री अवनीश शरण के निर्देश पर नगर निगम कमिश्नर श्री अमित कुमार ने संबंधित अधिकारियों एवं योग संस्थाओं के सदस्यों की बैठक लेकर शत-प्रतिशत तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन बहतराई स्टेडियम में होगा। कार्यक्रम में केन्द्रीय शहरी विकास राज्य मंत्री श्री तोखन साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होगे। उन्होंने बताया कि 21 जून को सवेरे 7 बजे से 7.45 बजे तक योगाभ्यास किया जायेगा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर इंटरनेशनल डे ऑफ योगा 2024 थीम पर आधारित संदेश को प्रोत्साहित करने ग्राम पंचायत, विकासखण्ड, नगर पंचायत एवं नगर पालिका परिषद में भी सामान्य योग

अभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। विभिन्न अधिकारियों को सौंपे गये दायित्व के तहत मंच, टेंट एवं योग स्थल पर आवश्यक बैठक व्यवस्था की जिम्मेदारी लोक निर्माण विभाग को दी गई है। इसी प्रकार साफ-सफाई, पेयजल, साउंड सिस्टम एवं प्रोजक्टर की जिम्मेदारी नगर निगम, विद्युत व्यवस्था एवं जनरेटर लोक निर्माण विभाग, मंच संचालन की जिम्मेदारी जिला शिक्षा अधिकारी एवं आयुष विभाग, छात्र-छात्राओं सहित सहभागियों की उपस्थिति शिक्षा विभाग, वाहन व्यवस्था परिवहन विभाग, प्रचार-प्रसार एवं फोटो वीडियोग्राफी जनसंपर्क विभाग, यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी, पुलिस विभाग, प्राथमिक चिकित्सा का दायित्व स्वास्थ्य विभाग, पुष्प गुच्छ एवं माला उद्यान विभाग, बैनर एवं योग रथ समाज कल्याण विभाग, जलपान व्यवस्था खाद्य विभाग को सौंपी गई है। गौरतलब है कि लोगों में योग के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। बैठक में एडीएम श्री आर.ए. कुरूवंशी, एसडीएम श्री पीयूष तिवारी, समाज कल्याण विभाग की संयुक्त संचालक श्रीमती श्रद्धा मैथ्यू, विभिन्न योग संस्थाओं के सदस्य सहित विभागीय अधिकारी मौजूद होगे।

जबलपुर राज्यपाल श्री मंगू भाई पटेल ने आज जबलपुर प्रवास के दौरान कलेक्टर श्री दीपक सक्सेना के निवास पर पहुंचकर उनके पुत्र के असामयिक निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। इस दौरान उन्होंने श्री सक्सेना के परिवार के सदस्यों को सांत्वना देकर ईश्वर से प्रार्थना किया कि पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें।

नर्मदापुरम कलेक्टर नर्मदापुरम सोनिया मीना ने आज मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित प्रजनसुनवाई में जिले के ग्रामीण एवं शहरी अंचलों से आने वाले आवेदकों की समस्याओं को समक्ष में सुनकर निराकरण के निर्देश मौके पर उपस्थित संबंधित अधिकारियों को दिए।

महाराष्ट्र में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

उत्कृष्ट साहित्य सेवा के लिए महाराष्ट्र में सम्मानित हुए रीवा के कवि सिद्धार्थ श्रीवास्तव

सिटी चीफ रीवा । उमेश कुशवाहा ।

रीवा - पुणे, महाराष्ट्र में राष्ट्रीय साहित्य सेवा संस्था द्वारा आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह में रीवा के युवा कवि सिद्धार्थ श्रीवास्तव को हिंदी साहित्य में सक्रिय योगदान हेतु एवं उत्कृष्ट साहित्य सेवा के लिए सम्मानित किया गया! कार्यक्रम के अतिथि चरणजीत सिंह साहनी अध्यक्ष गुरुद्वारा गुरुनानक दरबार कैम्प पुणे, शैलेश बड़दे सेकेट्री कला सांस्कृतिक पुणे, कशमीर नागपाल अध्यक्ष पंजाबी कल्चरर एसोसिएशन, सुरेश हेमनानी अध्यक्ष भारतीय सिंधु सभा, अशोक अग्रवाल उपाध्यक्ष पंजाबी कल्चरर एसोसिएशन, गुरबीर सिंह माखीजा अध्यक्ष वर्ल्ड सिख पंजाबी चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एवं कार्यक्रम की आयोजिका राष्ट्रीय साहित्य सेवा संस्था की अध्यक्ष दीपिका कटरे ने प्रतीक चिन्ह, अंगवस्त्र, सम्मान पत्र एवं वृक्ष भेंट कर सिद्धार्थ श्रीवास्तव को ये सम्मान प्रदान किया! उक्त आशय की जानकारी युवा कवि राजराखन पटेल ने आज यहां पर जारी अपनी एक लिखित प्रेस विज्ञप्ति में दी है! श्री पटेल ने अपनी विज्ञप्ति में आगे बताया कि उक्त कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों की कई महत्वपूर्ण हस्तियां उपस्थित रही! साथ ही कवि लोमेश गौर, कवयित्री रानू रूही राठौड़, रचना बैरागी, माही राव, कैप्टन किशोर करैया, सिद्धार्थ श्रीवास्तव एवं दुहित गौड़ ने अपने काव्य पाठ से कार्यक्रम को ऊंचाई भी प्रदान की! इसके अलावा कार्यक्रम में पुणे के भी कई साहित्यकार कार्यक्रम में शरीक हुए जिनमें प्रमुख रूप से हेमंत बोरकर,

हजारी लाल कटरे, पारुल दत्ता रॉय, रंजीत सिंह, पुष्पा सुरेश कीटाडीकर, लक्ष्मीछाया बाबूराव पृथ्वीराज, विलास बाबर, नागनाथ भेंडे, वैशाली गायकवाड, विट्ठल सोडनवर, रुपाली दिलीप चौधरी, ययाती अनिल कवडे, सुजाता श्रीधर पाटील, नेहा घुले, आरती देशपांडे, बालासाहेब तोरस्कर, सीमा निगम, सायली डोलस, डॉ निर्मला राजपूत, माधुरी सुहास नगरकर, डॉ शहाबुद्दीन शेख, मोहम्मद अब्दुल अंसारी एवं विजय अंधारे शामिल है! विदित हो कि सिद्धार्थ श्रीवास्तव ने तीन वर्ष की अल्प आयु से काव्य पाठ करना प्रारंभ किया था और अपने साहित्यिक गुरु सुभाष श्रीवास्तव के साथ 26 वर्षों में पूरे देश भर में साहित्यिक यात्राएं की! स्वयं भी साहित्यिक आयोजन किये! कवि सम्मेलन एवं कवि गोष्ठियां आहुत की और कोरोना काल में जब ऑफलाइन कार्यक्रम नही हो रहे थे तब 200 दिन लगातार अपने फ़ेसबुक पेज शायर सिद्धार्थ श्रीवास्तव में कवियों शायरों को आमंत्रित किया ताकि साहित्यिक गतिविधियों में विराम ना लगे! इसी वजह से सिद्धार्थ को पुणे के पत्रकार भवन, गांजवे चौक, नवी पेठ में आयोजित भव्य समारोह में सम्मानित किया गया! सिद्धार्थ श्रीवास्तव को सम्मानित किए जाने पर समाजसेवा एवं साहित्य जगत के जिन महत्वपूर्ण लोगों ने शुभकामनाएं देते हुए हर्ष व्यक्त किया है उनमें प्रमुख रूप से जन अभियान परिषद के संभागीय समन्वयक प्रवीण पाठक, अमित अवस्थी, समाजसेवी विक्रांत द्विवेदी, कौशलेश मिश्रा, संकल्प परौहा, प्रकाश द्विवेदी, शशि मिश्रा, सुजीत द्विवेदी, लईक खान, वरिष्ठ समालोचक डॉ चंद्रिका चंद्र, वरिष्ठ रचनाकार गिरिजा शंकर शुक्ल गिरीश, वरिष्ठ साहित्यकार एवं सिद्धार्थ के गुरु सुभाष श्रीवास्तव, वरिष्ठ पत्रकार जयराम शुक्ला, वरिष्ठ साहित्यकार जगजीवन लाल तिवारी, कवि रामसुन्दर द्विवेदी, रामलखन केवट जलेश, डॉ राजेन्द्र गुप्ता बैकुंठपुरी, अनिल अयान, जानकी प्रसाद पांडेय, साकेत श्रीवास्तव, शुभम शर्मा, अनिल सागर, दिप्तेश तिवारी, अभिनव सिंह बघेल शिवांशु तिवारी एवं हिमांशु तिवारी आदि शामिल है!

मक्का में भीषण गर्मी के बीच 550 हज यात्रियों की मौत, मुर्दाघर लाशों से भरे

पारा 51 डिग्री तक पहुंचा

नेशनल डेस्क- हज के दौरान कम से कम 550 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई, इस साल फिर से चिलचिलाती तापमान में सैंकड़ों हज यात्रियों ने अपनी जान गंवाई। राजनयिकों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

अपने देशों की प्रतिक्रियाओं का समन्वय कर रहे दो अरब राजनयिकों ने बताया कि मरने वालों में से कम से कम 323 लोग मिस्र के थे, उनमें से ज्यादातर गर्मी से संबंधित बीमारियों से पीड़ित थे। राजनयिकों में से एक ने कहा, उनमें से सभी (मिस्रवासियों की) गर्मी के कारण मौत हो गई एक को छोड़कर जो मामूली भीड़ के कुचलने के दौरान घातक रूप से घायल हो गए थे, कुल आंकड़ा मक्का के अल-मुआइसेम इलाके में अस्पताल के मुर्दाघर से आया है। नई मौतों के साथ कई देशों में अब तक बताई गई कुल मौतों की संख्या 577 हुई

राजनयिकों ने कहा कि कम से कम 60 जॉर्डनवासी भी मारे गए, जो अम्मान द्वारा मंगलवार को पहले दी गई 41 की आधिकारिक संख्या से अधिक है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, नई मौतों के साथ कई देशों में अब तक बताई गई कुल मौतों की संख्या 577 हो गई है। राजनयिकों ने कहा कि मक्का के सबसे बड़े मुर्दाघरों में से एक, अल-मुआइसेम के मुर्दाघर में कुल

संख्या 550 थी।

हज इस्लाम के पांच स्तंभों में से एक है और सभी मुसलमानों को इसे कम से कम एक बार पूरा करना होगा। पिछले महीने प्रकाशित एक सऊदी अध्ययन के अनुसार, जलवायु परिवर्तन से तीर्थयात्रा तेजी से प्रभावित हो रही है, जिसमें कहा गया है कि जिस क्षेत्र में अनुष्ठान किए जाते हैं, वहां तापमान हर दशक में 0.4 डिग्री सेल्सियस (0.72 डिग्री फ़ारेनहाइट) बढ़ रहा है। सऊदी राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने कहा कि सोमवार को मक्का की ग्रैंड मस्जिद में तापमान 51.8 डिग्री सेल्सियस (125 फ़ारेनहाइट) तक पहुंच गया।

गर्मी से तनाव

इससे पहले मंगलवार को मिस्र के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि काहिरा हज के दौरान लापता हुए मिस्रवासियों की तलाश के लिए सऊदी अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। जबकि मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि एक निश्चित संख्या में मौतें हुईं, लेकिन यह निर्दिष्ट नहीं किया गया कि उनमें मिस्र के लोग थे या नहीं। सऊदी अधिकारियों ने गर्मी के तनाव से पीड़ित 2,000 से अधिक तीर्थयात्रियों का इलाज करने की सूचना दी है, लेकिन रविवार से उस आंकड़े को अपडेट नहीं किया है और मौतों के बारे में जानकारी नहीं दी है। पिछले वर्ष विभिन्न देशों में कम से कम 240 तीर्थयात्रियों के मारे जाने की सूचना मिली थी, जिनमें से अधिकांश इंडोनेशियाई थे।

मक्का के बाहर मीना में सोमवार को देखा कि तीर्थयात्री अपने सिर पर पानी की बोतलें डाल रहे थे और स्वयंसेवक उन्हें ठंडा रखने में मदद करने के लिए कोल्ड ड्रिंक और तेजी से पिघलने वाली चॉकलेट आइसक्रीम दे रहे थे। सऊदी अधिकारियों ने तीर्थयात्रियों को छाते का उपयोग करने, खूब पानी पीने और दिन के सबसे गर्म घंटों के दौरान सूरज के संपर्क में आने से बचने की सलाह दी थी। लेकिन माउंट अराफात पर शनिवार को होने वाली प्रार्थना सहित कई हज अनुष्ठानों में दिन के समय घंटों बाहर रहना शामिल है। कुछ तीर्थयात्रियों ने सड़क के किनारे गतिहीन शवों और एम्बुलेंस सेवाओं को देखने का वर्णन किया जो कभी-कभी अभिभूत दिखाई देती थीं। सऊदी अधिकारियों के अनुसार, इस वर्ष लगभग 1.8 मिलियन तीर्थयात्रियों ने हज में भाग लिया, जिनमें से 1.6 मिलियन विदेश से थे।

तीर्थयात्री लंबे समय तक भोजन, पानी या एयर कंडीशनिंग के बिना रहे

देश के हज मिशन की निगरानी कर रहे मिस्र के एक अधिकारी ने कहा, अनियमित तीर्थयात्रियों ने मिस्र के तीर्थयात्रियों के शिविरों में भारी अराजकता पैदा कर दी, जिससे सेवाएं ध्वस्त हो गईं। तीर्थयात्री लंबे समय तक भोजन, पानी या एयर कंडीशनिंग के बिना रहे। वे गर्मी से मर गए क्योंकि अधिकांश लोगों के पास आश्रय लेने के लिए कोई जगह नहीं थी। इस महीने की शुरुआत में, सऊदी अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने हज से पहले मक्का से सैकड़ों हजारों अपंजीकृत तीर्थयात्रियों को मंजूरी दे दी थी। इस वर्ष हज के दौरान मौतों की सूचना देने वाले अन्य देशों में इंडोनेशिया, ईरान और सेनेगल शामिल हैं।

भूकंप के जबरदस्त झटकों से थर्राया ईरान, 4 लोगों की मौत; 120 घायल

इंटरनेशनल डेस्क: ईरान के उत्तरपूर्वी शहर कशमार में मंगलवार को आए भूकंप से चार लोगों की मौत हो गई। जबकि, 120 लोग घायल हो गए। रिएक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.9 आंकी गई। कसमार के गवर्नर हाजातुल्लाह शरीयतमादारी ने भूकंप से हताहतों की संख्या की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि भूकंप दोपहर 1-24 बजे आया। शरीयतमादारी ने कहा, 35 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। भूकंप से शहरी और ग्रामीण इलाकों में ज्यादातर जर्जर इमारतों को नुकसान पहुंचा है।

भूकंप की सूचना मिलने के बाद स्थानीय प्रशासन की ओर से काश्मीर काउंटी इलाके में खोजी कुत्तों के साथ 5 टीमें भेजी गई हैं।

इसके अलावा करीब 6000 लोगों के ठहरने की क्षमता वाले तीन इमरजेंसी शेल्टर भी बनाए जा रहे हैं।

संयुक्त राज्य भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप 10 किलोमीटर (छह मील) की गहराई पर आया। भूकंप से हुए नुकसान के बाद सरकारी टेलीविजन ने फुटेज प्रसारित की, जिसमें इमारतें मलबे में तब्दील दिखाई गईं। वहीं, लोगों को मलबा हटाते और सड़कों पर काम करते हुए दिखाया गया।

थाईलैंड में भी समलैंगिक विवाह को मिली मंजूरी

कानूनी मान्यता देने वाला पहला दक्षिण-पूर्वी एशियाई देश बना

बैंकॉक- थाईलैंड की नेशनल असेंबली (संसद) के उच सदन सीनेट ने समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने वाले एक विधेयक को मंगलवार को भारी बहुमत के साथ मंजूरी प्रदान कर दी। इसके साथ ही थाईलैंड दक्षिण-पूर्वी एशिया में ऐसा कानून लागू करने वाला पहला देश बन गया है। सीनेट में विधेयक पर हुए मतदान के दौरान 152 सदस्य मौजूद थे, जिनमें से 130 सदस्यों ने विधेयक के पक्ष में मतदान किया जबकि चार सदस्यों ने इसके खिलाफ मतदान किया। सीनेट के 18 सदस्यों ने मतदान की प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लिया। अब इस विधेयक को थाईलैंड के राजा महा वजिरालोंगकोर्न की औपचारिक स्वीकृति मिलने की आवश्यकता है, जिसके बाद इसे सरकारी राजपत्र में प्रकाशित किया जाएगा। सरकारी राजपत्र 120 दिनों के भीतर एक तिथि निर्धारित करेगा जब विधेयक कानून के रूप में लागू हो जाएगा। ताइवान और नेपाल के बाद थाईलैंड,

समलैंगिक विवाह को अनुमति देने वाला एशिया का तीसरा देश बन जाएगा। विवाह समानता विधेयक, किसी भी लिंग के विवाहित साथियों को पूर्ण कानूनी, वित्तीय और चिकित्सा अधिकार प्रदान करता है। इस विधेयक को अप्रैल में पिछले संसदीय सत्र के समापन से ठीक पहले संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा ने पारित कर दिया था। यह विधेयक कानून में संशोधन कर पुरुष और महिला और पति और पत्नी शब्दों को बदलकर व्यक्ति और विवाह साथी कर देगा। थाईलैंड की, स्वीकार्यता और समावेशिता के लिए प्रतिष्ठा है, लेकिन विवाह समानता कानून पारित करने के लिए उसे दशकों से संघर्ष करना पड़ रहा है। थाईलैंड के समाज में यादातर रूढ़िवादी मूल्य हैं और (एलजीबीटीक्यू) समलैंगिक समुदाय के सदस्यों का कहना है कि उन्हें रोजमर्रा की जिंदगी में भेदभाव का सामना करना पड़ता है।

ब्रिटेन के आम चुनाव में इस बार किंगमेकर बनेंगे मुसलमान !

कश्मीर और गाजा मुद्दों का नतीजों पर पड़ेगा गंभीर असर

लंदन: ब्रिटेन में आगामी आम चुनाव में 3.9 मिलियन मुस्लिमों के मतदान करने की संभावना है, जिससे मुस्लिम वोट सभी राजनीतिक दलों के लिए महत्वपूर्ण हो जाएगा। इसके अलावा गाजा की स्थिति का चुनाव परिणाम गंभीर असर होने का अनुमान है। सरल शब्दों में कहा जाए तो इस बार ब्रिटेन के आम चुनाव में मुसलमान किंगमेकरकी भूमिका निभा सकते हैं। यही वजह है कि यू.के. में राजनीतिक दल मुस्लिम देशों से आने वाले अप्रवासी मूल के मतदाताओं की बढ़ती आबादी पर ध्यान केंद्रित करके जनसांख्यिकीय परिदृश्य पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। यदि 2 मई को इंग्लैंड में आयोजित परिषद चुनावों को 4 जुलाई के आम चुनावों से पहले जनता की राय का नमूना माना जाए, तो गाजा में युद्ध मतदान पैटर्न को प्रभावित करने वाला बड़ा मुद्दा प्रतीत होता है। इजरायल-हमास युद्ध पर लेबर पार्टी की स्थिति ने इंग्लैंड के स्थानीय चुनावों में मुस्लिम क्षेत्रों में इसके समर्थन को कम कर दिया है। इस तथ्य के बावजूद कि लेबर पार्टी पारंपरिक रूप से मुस्लिम मतदाताओं के बीच किसी भी अन्य प्रमुख पार्टी की तुलना में कहीं अधिक लोकप्रिय रही है, पार्टी को बड़ी संख्या में मुस्लिम मतदाताओं वाले वार्डों में भारी नुकसान उठाना पड़ा है। यह इस बात का संकेत है कि इजरायल-गाजा युद्ध पर इसका रुख उन क्षेत्रों में इसके वोट को प्रभावित कर रहा है। युद्ध शुरू होने के बाद इसके शुरुआती रुख, जिसमें इसने लड़ाई में मानवीय विराम का आह्वान किया, ने पिछले साल काउंसिल और

इसके फ्रंटबेंच से लेबर के इस्तीफों को प्रेरित किया। उदाहरण के लिए, वर्थिंग काउंसिलर और मोमेंटम की सह-अध्यक्ष हिलेरी शैन ने अन्य पार्टियों के फिलिस्तीनी समर्थक उम्मीदवारों का समर्थन करने के लिए लेबर पार्टी से इस्तीफा दे दिया और वह पत्रकार ओवेन जोन्स के वी डिजर्व बेटर अभियान में शामिल हो गई हैं। ब्लैकबर्न विद डार्वेन में, लेबर पार्टी ने स्वतंत्र उम्मीदवारों के लिए काउंसिल सीटें खो दीं, जिन्होंने नेतृत्व के गाजा रुख के कारण पार्टी छोड़ दी। वेस्ट मिडलैंड्स मेयर की दौड़ में, स्वतंत्र उम्मीदवार अखमद याकूब, जिन्होंने गाजा पर अभियान चलाया, ने 69,000 से अधिक वोट जीते। ग्रीन्स, जिन्होंने युद्ध शुरू होने के एक हफ्ते बाद ही तत्काल युद्ध विराम का आह्वान किया था, ने 2021 से अपने वोट शेयर में वृद्धि की है। परिणामस्वरूप, गाजा में संघर्ष पर लेबर का रुख तब से बदल गया है। फरवरी से, पार्टी इस क्षेत्र में तत्काल युद्ध विराम और सभी बंधकों की रिहाई की मांग कर रही है। और पहले से ही सर कीर स्टारमर इजरायल के लिए मजबूत समर्थन से दूर होने लगे हैं, जिसे उन्होंने 7 अक्टूबर को हमास द्वारा 1,200 इजरायलियों के नरसंहार के तुरंत बाद व्यक्त किया था।

कश्मीर भी ब्रिटेन के चुनावों में प्रमुख मुद्दा

गाजा के अलावा कश्मीर भी ब्रिटेन के चुनावों में एक प्रमुख मुद्दा बन गया है। स्थानीय चुनावों में जीत हासिल करने वाले वर्कर्स पार्टी के जॉर्ज गैलोवे ने ओल्डम में चुनाव प्रचार के दौरान गाजा और कश्मीर दोनों को प्राथमिक मुद्दा बनाया था, जहाँ पाकिस्तानी/कश्मीरी समुदाय के मतदाताओं की बड़ी संख्या है। ब्रिटेन की राजनीतिक बहसों में इस्लामवादी बयानबाजी को जगह मिलती है। दिसंबर 2023 में, स्कॉटिश नेशनल पार्टी की नेता और सांसद एलिसन थेवलिस ने ब्रिटिश संसद में कश्मीर मुद्दे को उठाया। विशेष रूप से, थेवलिस ने भारतीय संविधान के अनुछेद 370 को रद्द करने के राष्ट्रपति के अधिकार को बरकरार रखने के भारत के सर्वोच न्यायालय के फैसले पर ब्रिटिश सरकार के रुख पर सवाल उठाया। 4 जुलाई, 2024 के आम चुनावों की दौड़ में, ब्रिटिश कश्मीरी समूहों के नेताओं ने कश्मीर मुद्दे पर विभिन्न राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों के बीच लॉबिंग शुरू कर दी है। पाकिस्तानी और कश्मीरी समुदाय से अपील की जा रही है कि वे अपने निर्वाचन क्षेत्रों में उन उम्मीदवारों की सफलता के लिए अपनी भूमिका निभाएं जो न केवल कश्मीरियों की इछा के अनुसार कश्मीर मुद्दे के समाधान का वादा करते हैं बल्कि कश्मीर में भारतीय बलों द्वारा कथित मानवाधि

चेन्नई-मुंबई इंडिगो फ्लाइट में बम की धमकी सभी यात्रियों को प्लेन से सुरक्षित उतारा

नेशनल डेस्क- चेन्नई से मुंबई जाने वाली इंडिगो की एक फ्लाइट में मंगलवार को बम होने की धमकी भरा संदेश मिला। सूचना के बाद फ्लाइट रात करीब 10.30 बजे मुंबई एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतर गई। एक बयान में, एयरलाइन ने बम की धमकी की पुष्टि की और कहा कि प्रोटोकॉल का पालन किया गया और सभी यात्रियों को सुरक्षित उतार दिया गया। एयरलाइन ने कहा, चेन्नई से मुंबई जाने वाली इंडिगो की उड़ान 6ई 5149 को बम की धमकी मिली थी। मुंबई में उतरने पर, चालक दल ने प्रोटोकॉल का पालन किया और विमान को एक आइसोलेशन बे में ले जाया गया। इसमें कहा गया, सभी यात्री सुरक्षित रूप से विमान से उतर गए हैं। हम सुरक्षा एजेंसियों के

साथ काम कर रहे हैं और सभी सुरक्षा जांच पूरी होने के बाद विमान को वापस टर्मिनल क्षेत्र में तैनात किया जाएगा। मंगलवार को मुंबई में बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के मुख्यालय को बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिला। पुलिस ने कहा कि अज्ञात व्यक्ति ने मुख्यालय को उड़ाने की धमकी दी है. धमकी भरे ईमेल के बाद, पुलिस ने इमारत की तलाशी ली और कहा कि उन्हें कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। अधिकारियों ने बताया कि धमकी के बाद सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

US-चीन व्यापार विवादों का वियतनाम और मेक्सिको को मिला फायदा

दोनों देशों में बढ़ा चीनी निवेश

इंटरनेशनल डेस्क: जब से स्नष्ठद्ध इंटेलिजेंस ने 2003 में विदेशी निवेश समाचारों और कंपनी घोषणाओं की निगरानी शुरू की है, तब से मेक्सिको और वियतनाम में चीनी विनिर्माण और रसद परियोजनाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। ये दोनों देश अब ऐसी परियोजनाओं के लिए पसंदीदा गंतव्य के रूप में अमेरिका से आगे निकल गए हैं। पिछले साल मार्च तक थाईलैंड, मलेशिया, हंगरी और मिस्र में भी चीनी परियोजनाओं की अभूतपूर्व आमद देखी गई, जो चीनी निवेश पैटर्न में बदलाव को दर्शाता है। ये घटनाक्रम पश्चिमी बहुराष्ट्रीय कंपनियों और नीति निर्माताओं की रणनीति में बदलाव को रेखांकित करते हैं, जो चीनी कारखानों पर अपनी दीर्घकालिक निर्भरता को कम करने और महत्वपूर्ण उत्पादों की आपूर्ति में चीन के प्रभाव को कम करने का प्रयास कर रहे हैं। जवाब में, चीनी निर्माता विदेशों में अपना विस्तार कर रहे हैं। एक उल्लेखनीय उदाहरण राज्य के स्वामित्व वाली शंघाई ऑटोमोटिव इंडस्ट्री कॉरपोरेशन की स्थानीय सहायक कंपनी द्वारा मैक्सिकन प्लांट में 2 बिलियन तक के पर्याप्त निवेश की घोषणा है। राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा हाल ही में .18 बिलियन मूल्य के चीनी सामानों पर नए टैरिफ लगाने के साथ, छोटे चीनी निर्माता भी अब अपने सीमित धन को विदेशों में विस्तार करने पर विचार कर रहे हैं। जैसे-जैसे अमेरिका चीन के अलावा अन्य देशों से अपने आयात को बढ़ा रहा है, चीनी व्यवसाय भी इन देशों को अपने निर्यात को बढ़ा रहे हैं। चीन के सीमा शुल्क डेटा से पता चलता है कि मेक्सिको और थाईलैंड को चीनी निर्यात के कुल मूल्य में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो 2017 से 2023 तक दोगुना से अधिक होकर .158.7 बिलियन तक पहुँच गया है। इसकी तुलना में, चीन के कुल निर्यात में केवल 49 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो इसी अवधि के दौरान 3.4 ट्रिलियन तक पहुँच गया है। इसके अतिरिक्त, चीन के सीमा शुल्क के सामान्य प्रशासन की रिपोर्ट है कि वियतनाम को कंप्यूटर भागों का चीनी निर्यात तीन गुना से अधिक हो गया है, जो 2017 और 2023 के बीच .1.7 बिलियन तक पहुँच गया है।अप्रैल में, यूरेशिया ग्रुप कंसल्टेंसी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि अमेरिका के साथ वियतनाम का व्यापार अधिशेष काफी बढ़ गया है। यह केवल चीन से वियतनाम में उत्पादन में बदलाव के कारण नहीं था, बल्कि इसलिए भी था क्योंकि चीनी कंपनियाँ अपने उत्पादों को वियतनाम के माध्यम से पुनर्निर्देशित कर रही थीं। न्यू हैम्पशायर के डार्टमाउथ

कॉलेज में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर डेविन चोर के अनुसार, चीन से प्रत्यक्ष आयात में भले ही कमी आई हो, लेकिन अप्रत्यक्ष मार्गों पर विचार करना महत्वपूर्ण है जो अभी भी अमेरिका को चीनी आपूर्ति श्रृंखलाओं से जोड़ते हैं। चाकू और उपकरण उत्पादन कंपनी समिट एंटरप्राइज के बिक्री प्रतिनिधि ऑड्रे लियांग ने बताया कि दक्षिणी चीन के ग्वांगडोंग प्रांत में अपने यानजियांग कारखाने से 26 साल तक पूरी तरह से संचालन करने के बाद, वे अब वियतनाम में दूसरी सुविधा स्थापित कर रहे हैं। कंपनी को उम्मीद है कि यह नई साइट अगले साल के अंत तक पूरी तरह से चालू हो जाएगी। ऑड्रे लियांग के अनुसार, देश की उच्च उत्पादन लागत और कम कुशल कार्यबल के बावजूद, राजनीतिक कारकों और वियतनाम से माल पर कम टैरिफ के कारण समिट एंटरप्राइज के ग्राहकों ने वियतनामी स्थान का सुझाव दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस ग्राहक की आवश्यकता के बिना, कंपनी वियतनाम में विस्तार करने पर विचार नहीं करती।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569